पाक्षिक

टेक्सटाइल वर्ल्ड

Postal Registration No : BHILWARA/208/2024-2026 Posting on 24-03-2024 at Rail Mail Service, Bhilwara

वर्ष-26 | अंक-19 | भीलवाड़ा/22 मार्च, 2024 | कुल पृष्ठ- 14 | मूल्य : 25 रुपए | 1

सिन्थेटिक निटेड फैब्रिक के एमआईपी निर्धारण का उद्योग द्वारा स्वागत

घरेलू उद्योग को होगा लाभ

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

देश के सिन्थेटिक निटेड फैब्रिक उद्योग के हितो की रक्षा के लिए सरकार द्वारा इसके न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) निर्धारित करने का नॉर्दन इंडिया टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन यानि निटमा द्वारा स्वागत करते हुए श्री पीयूष गोयल का धन्यवाद किया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री संजय गर्ग का कहना है कि पिछले महीनों से देश में सिन्थेटिक निटेड फैब्रिक का आयात तेजी से बढ़ रहा है जो घरेलू उद्योग के लिए चिंता का विषय है और काफी से इसके आयात पर अंकुश लगाने के लिए सरकार से मांग कर रहा था। उल्लेखनीय है कि अनुसार वाणिज्य, उद्योग और कपड़ा मंत्री ने पिछले दिनों उद्योग को इस विषय में आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया था।

घरेलू उद्योग के हितों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने सिन्थेटिक निटेड फैब्रिक की पांच किस्मों एचएस कोड 60063100, 60063200, 60063300, 60063400 और 60069000 के आयात के लिए 15 सितम्बर, 2024 तक 3.50 डॉलर प्रतिकिलो का न्यूनतम आयात मूल्य निर्धारित कर दिया है ताकि आयात कम भाव पर न कर सकें।उल्लेखनीय है कि देश निर्माताओं उत्पादकों के हितों की रक्षा के सरकार ने अनेक वस्तुओं के आयात के लिए न्यूनतम आयात मूल्य निर्धारित किए हुए हैं। श्री गर्ग के अनुसार विभिन्न व्यापारिक और औद्यागिक संगठन कम भाव पर भारी मात्रा में किए जा रहे फैब्रिक के आयात से चिंतित हैं। गत सप्ताह वस्त्र मंत्रालय के व्यापार सलाहकार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई एक बैठक में कुछ एचएस कोड के तहत आने वाले फैब्रिक के बढ़ते आयात के मामले पर विचार विमर्श के बाद न्यूनतम आयात मूल्य लगाने का फैसला किया गया।

शेषांश पृष्ठ 13 पर...

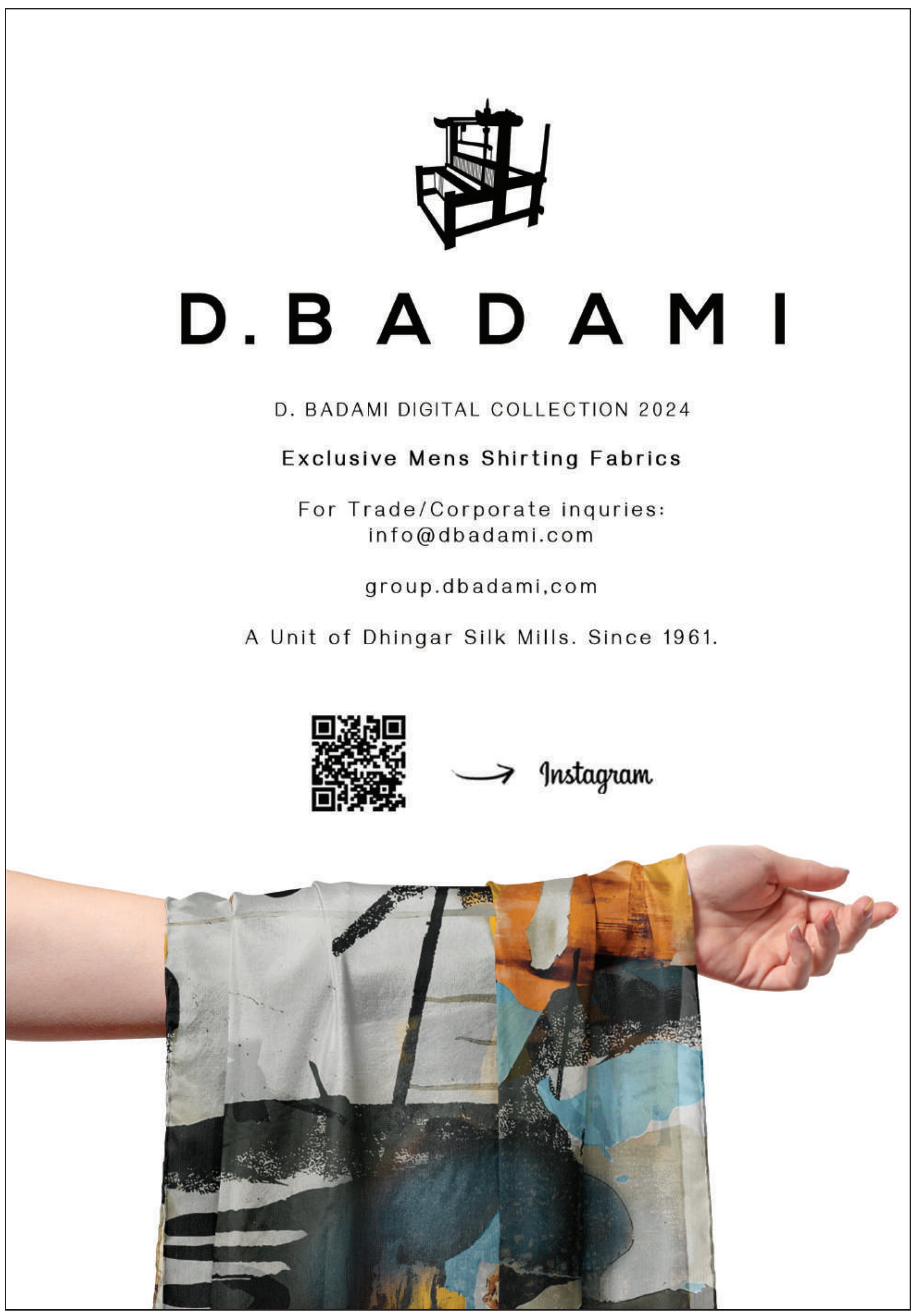

विशेष अवसरों पर प्राथमिक परिधान की डिमाण्ड जबरदस्त

बालोतरा/ लालचंद पुनीत

औद्योगिक उत्पादन को अधिक से अधिक लेने को उत्पादक सचेष्ट है। इसका कारण है होली त्यौहार के कारण प्रायः सभी श्रमिक अपने गृह ग्रामों की ओर कूच कर जाएंगे और सप्ताह-दस दिनों बाद ही लोट पाएंगें। होली के साथ संपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र एक विरानी आगोश में समा जाएगा। इन्द्रधनुषी रंगों की बहार कारखानों व अन्य स्थानों पर अदृश्य हो जाएगी। चहल-पहल का जो दृश्य अभी विद्यमान है, वह कई दिनों बाद ही स्थापित होगा। उद्यमियों के पास माल तो पर्याप्त तैयार है और किसी न किसी तरह चालान को गति दी जा रही है। आगे व्यावसायिक दृष्टि से एमएसएमई के प्रावधान निश्चित रूप से हितकर सिद्ध होंगे, किंतु इस बात में दौराय नहीं है।

फिलहाल इससे कार्य तो चला परंतु ग्रोथ जो होनी थी उस पर विराम लग गया और छोटे उद्यमियों के लिए परेशानी का सबक बन गया। मार्च में एडजस्टमेंट आदि कारणों से रकम आवक का फ्लो वैसे भी कमजोर रहता है, परंतु इस वर्ष कमजोर आवक से निश्चित रूप से परेशानियां बढ़ी है। जानकारी के अनुसार जिनके पास डिमाण्ड है, उनको उनका कार्य पूर्ण संतुष्टिपरक लग रहा है और वे लाभार्जन की दृष्टि में भी पीछे नही है। पोपलीन, नाईटी, रेयॉन, पौकेटिंग, रूबिया आदि का वर्चस्व बना हुआ है। पेटीकोट (अंदर स्कर्ट) की मांग में कमी नही है, किंतु इसे तैयार करने में बहुत विलंब हो रहा है। कुशल श्रमिकों के अभाव में तो माल मात्र 40' ही तैयार हो पाता है। साड़ी के पुनः प्रचलन व विशेष अवसरों पर प्राथमिक परिधान के रूप में प्रयुक्त होने से वर्तमान में पोपलीन उत्पादक सभी प्रतिष्ठान किसी न किसी रूप में पेटीकोट निर्माण में लगकर अच्छा कार्य कर रहे हैं। कुछ प्रतिष्ठान जो अपनी तरह का अलग उत्पादन कर रहे हैं, उनके पास माल कम और ऑफर अधिक है। इसके साथ उनमें कॉम्पीटिशन की संभावना भी नहीं रहती। रमजान के कारण ग्रे उत्पादन कम हो रहा है, इसलिए ग्रे क्लॉथ के भाव स्थिर अवस्था में है, परंतु उद्यमियों को कपास के उत्पादन की स्थिति के अनुसार ग्रे क्लॉथ में आगे अच्छी तेजी की गुंजाइश लगती है। इसलिए इस समय वो प्रतिष्ठान ही ग्रे क्लॉथ की खरीदी को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिन्हें आगे तेजी की रोशनी नजर आ रही है। वो जानते है कि कुछ दिनों ब्याज की मार पड़ेगी भले ही सारी कसर बाद में एक साथ निकल जाएगी। चुनावी चर्चाओं का आलम निरन्तर जोर पकड़ रहा है। फिलहाल आम नागरिकों के साथ-साथ अन्य वर्ग के लोग भी पूरी दिलचस्पी लेते दिखाई दे रहे हैं। उम्मीदवार अपने विचारों के प्रचार-प्रसार में भरसक प्रयास कर रहे हैं। लगता है चुनावों के पश्चात् इस क्षेत्र के औद्योगिक परिदृश्य का कायाकल्प आदर्श रूप में निश्चित है।

त्योहारी सीजनल में रेडीमेड और सूटिंग-शर्टिंग की ग्राहकी जबरदस्त

ब्यावर/ अनिल डोसी

मार्केट में ग्राहकी अच्छी बनी हुई है। होली सीजन पर ओढनी, साड़ियाँ, सूट्स इत्यादि की ग्राहकी रहती है। रेडीमेड बच्चों के सूट, ब्लाउज पीस, सुटिंग-शर्टिंग, सलवार सूट आदि की खरीददारी जारी है। एमएसएमई लघु सूक्ष्म उद्यमियों के समक्ष परेशानी बनी हुई है। अभी शादी-ब्याह सीजन जारी है। शर्टिंग में केवल प्रिंट ही चल रही है। पैमेंट की आवक अच्छी है। फैंसी ब्लाउज रेडीमेड का चलन ज्यादा है, कारण कि सिलाई की रेट बहुत बढ़ गई है।

एमएसएमई को लेकर व्यापारियों में हलचल

आकोला/ राजेश जैन

मोदी सरकार के एमएसएमई कानून ने आकोला, अमरावती, नागपुर, जलगांव के सभी व्यापारियों को बहुत चिंता में डाल दिया है। सभी को 31 मार्च दिख रहा है कि क्या होगा, क्या नही होगा। पेमेंट पूरा क्लियर नहीं किया तो कितना चार्ज लगेगा। इसी चिंता में कब सुबह से शाम हो जाती है पता ही नही चलता है । यह बात कोई सीए भी पूरा बता नहीं पा रहा है कि किसका क्या चार्ज लगेगा। इसी चिंता में व्यापारियों का पूरा समय जा रहा है। एक ओर एमएसएमई का टेंशन है तो दूसरी ओर शादी-ब्याह सीजन की तारीख कम होने से व्यापार भी बहुत कम है। देशावर से पैसा भेजों रोजाना तकादा चल रहा है। मगर पैसा जाने की गति बहुत कम है। कुल मिलाकर कपड़े की वर्तमान स्थिति ज्यादा अच्छी नहीं है।

एसोसिएशन चुनाव में प्रत्याशियों का दबदबा रहा कायम

इन्दौर/ निलेश कासलीवाल

श्रीमंत महाराजा तुकोजीराव क्लॉथ मार्केट मर्चेन्ट एसोसिएशन के 21 सदस्यों के चुनाव दिनांक 6 फरवरी को सम्पन्न हुए, जिसमें कुल प्रत्याशी 35 सदस्य थें। कुल 822 मतदाताओं में से 795 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया जिसमें अरुण जी बाकलीवाल को सर्वाधिक 643 मत प्राप्त हुए। तत्पश्चात पुनः दिनांक 27 फरवरी को मंत्री, संयुक्त मंत्री, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष पद हेतु चुनाव सम्पन्न हुए। जिसका परिणाम उसी दिन शाम को प्राप्त हुआ। उपाध्यक्ष रजनीश जी चोरडिया, मंत्री कैलाश जी मुंगड, कोषाध्यक्ष चन्द्रप्रकाश जी गंगवाल, संयुक्त मंत्री मनोज जी नीमा एवं गिरिश जी काबरा चुने गए। अध्यक्ष पद की गरिमा को ध्यान रखते हुए पुनः श्री हंसराज जी जैन को निर्विरोध अध्यक्ष घोषित किया गया।

फेस्टिवल सीजन शुरू

पारम्परिक परिधान की मांग बढ़ी

उदयपुर / नवीन कोठारी

मेवाड़ में होली के दिनों में खासतौर से महिलाओं में विशेष प्रकार की परिधान जो साड़ी की श्रेणी में आता है 'फागणिया और पीलिया' पहनने की परिपाठी है। इसलिए फाल्गुन में इन परिधानों की मांग बढ़ जाती है। उदयपुर में आज भी पुरानी मान्यताओं को निभाया जाता है। यही कारण है कि सर्दियों से चले आ रहे फेस्टिवल वर्तमान में भी उसी धूम-धाम से मनाए जाते हैं। देशी-विदेशी पर्यटक इन फेस्टीवल में शामिल भी होते हैं और यहां की संस्कृति को जानने-समझने का प्रयास भी करते हैं इसलिए इन फेस्टिवल में पहने जाने वाले परिधानों की मांग भी समय-समय पर बढ़ जाती है। स्थानीय वस्त्र-विक्रेता किसी भी फेस्टिवल के लिए सदैव तैयारी रखते हैं और उस समय की फैशन के अनुरूप माल का स्टॉक रखते है इसलिये इन अवसरों पर अच्छी बिक्री भी कर लेते हैं। अभी होली फिर शीतलासप्तमी, दशामाता, गणगौर इत्यादी फेस्टिवल आने वाले हैं। तीज-त्यौहारों में महिलाओं की विशेष भागीदारी रहने से ऐसे माल रखने वाले विक्रेताओं के यहां अच्छी ग्राहकी देखने को मिलती है। अभी गर्मी ज्यादा नहीं है इसलिए समर गुड्स की बिक्री मंद हैं। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ने लगेगी, वैसे-वैसे कॉटन वस्त्रों की मांग में तेजी आने लगेगी।

रमजान और होली की ग्राहकी से बाजार गुलजार

मुजफ्फरनगर / अजय कुमार सिंघल

मुजफ्फरनगर,सहारनपुर सहित पश्चिमी उत्तरप्रदेश की अधिकांश कपड़ा मार्केट्स में ग्राहकी की अच्छी खासी चहल-पहल है। लेडीज सूट, फैंसी ड्रेस, साड़ी, पैंट-शर्ट, कुर्ता-पायजामा, हैंडलूम, रेडीमेड गारमेण्ट सभी सैगमेंट में ग्राहकी एवं पूछ-परख बनी हुई है। इस पूरे माह होली व ईद की बिक्री जबरदस्त रहनी चाहिए। 19 अप्रैल से इधर लोकसभा चुनाव है। अभी थोक व्यापारियों पर एमएसएमई का जंजाल की दिक्कत अवश्य है। मार्च तक पेमेंट का भारी दबाव रहने वाला है। मुजफ्फरनगर के प्रतिष्ठित सुप्रसिद्ध व्यापारियों में सर्वश्री अशोक छाबड़ा, अमित सिंघल, विनोद डाबर, मनोहर लाल, संजीव गोयल, गुलाटी जी, सुदर्शन खरबंदा, अमृत राठी, लक्ष्मण रस्तौगी, पवन बत्रा, घनश्याम पालीवाल, रोशन गर्ग, सुशील छाबड़ा, अनिल नामदेव आदि के अनुसार कारोबार अच्छा चलेगा।

नई सहूलियत के चलते इचलकरंजी को सालाना 135 करोड़

कोल्हापुर/ राहुल खाड़े

राज्य मंत्रिमंडल ने लिए फैसले के अनुसार सीधे पावरलूम को एक रुपए और 27 अश्वशक्ती के ऊपर वाले पावरलूमधारकों को 75 पैसे की बिजली बिल में अतिरिक्त सहूलियत मिलेगी। इस फैसले के चलते इचलकरंजी में 135 करोड़ और महाराष्ट्र के वस्त्रोद्योग केंद्र में 576 करोड़ रुपए की सहुलियत मिलने वाली है। बीते कुछ सालों से मंदी का सामना कर रहे पावरलूमधारकों की कुछ सहूलियत मिली है। लेकिन इसका लाभ मिलने के लिए वस्त्रोद्योग विभाग की ओर पंजीकरण करना होगा। जिससे यह बात पावरलूमधारकों के लिए समस्या बन सकती है। तत्कालीन वस्त्रोद्योग मंत्री श्री सुभाष देशमुख ने 2016 में 1 रुपया तत्कालीन अर्थमंत्री श्री अजित पँवार ने पाँच साल पहले 75 पैसे सहूलियत की घोषणा की थी लेकिन उसका अमल अब तक नहीं हुआ है। जिसके चलते बीते हफ्ते कोल्हापुर दौरे पर आए मुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे को यह सहूलियत लागू करने की घोषणा की थी। जबकि इसी बात को चुनावी जुमला जानकर पावरलूमधारको ने अनदेखी की लेकिन मंत्रिमंडल की बैठक में इस बात पर फैसला लेने से पावरलूमधारक खुशी जता रहे हैं। इस सहूलियत को पाने के लिए वस्त्रोद्योग विभाग की ओर पंजीकरण करने की बात कही गई है। ऑनलाईन पंजीकरण नही करने वाले पावरलूमधारकों की बिजली सहूलियत यकायक बंद की। जिससे वस्त्रोद्योग में नाखुशी जताई गई। इसी बात को लेकर आंदोलन होने के बाद बिजली सहूलियत पूर्ववत् करने की बात शासन ने मान ली। लेकिन दो माह की पोकल थकबाकी पर ब्याज और जुर्माने की समस्या का हल जल्द नहीं हुआ। ऐसी स्थिति में शासन ने फिर से पंजीकरण करने की बात कहने की वस्त्रोद्योग में फिर से संभ्रमावस्था है। राज्य मंत्रिमंडल के इस फैसले से इचलकरंजी शहर के 80 से 85 हजार और महाराष्ट्र के 12 से 13 हजार सीधे पावरलूधारकों को इससे मुनाफा होगा। एक रुपए की सहूलियत के चलते इचलकरंजी में एक माह में सवा दो करोड़ यानी सालभर में लगभग 27 करोड़ रुपए की बिजली बिल में सहूलियत मिलने वाली है।

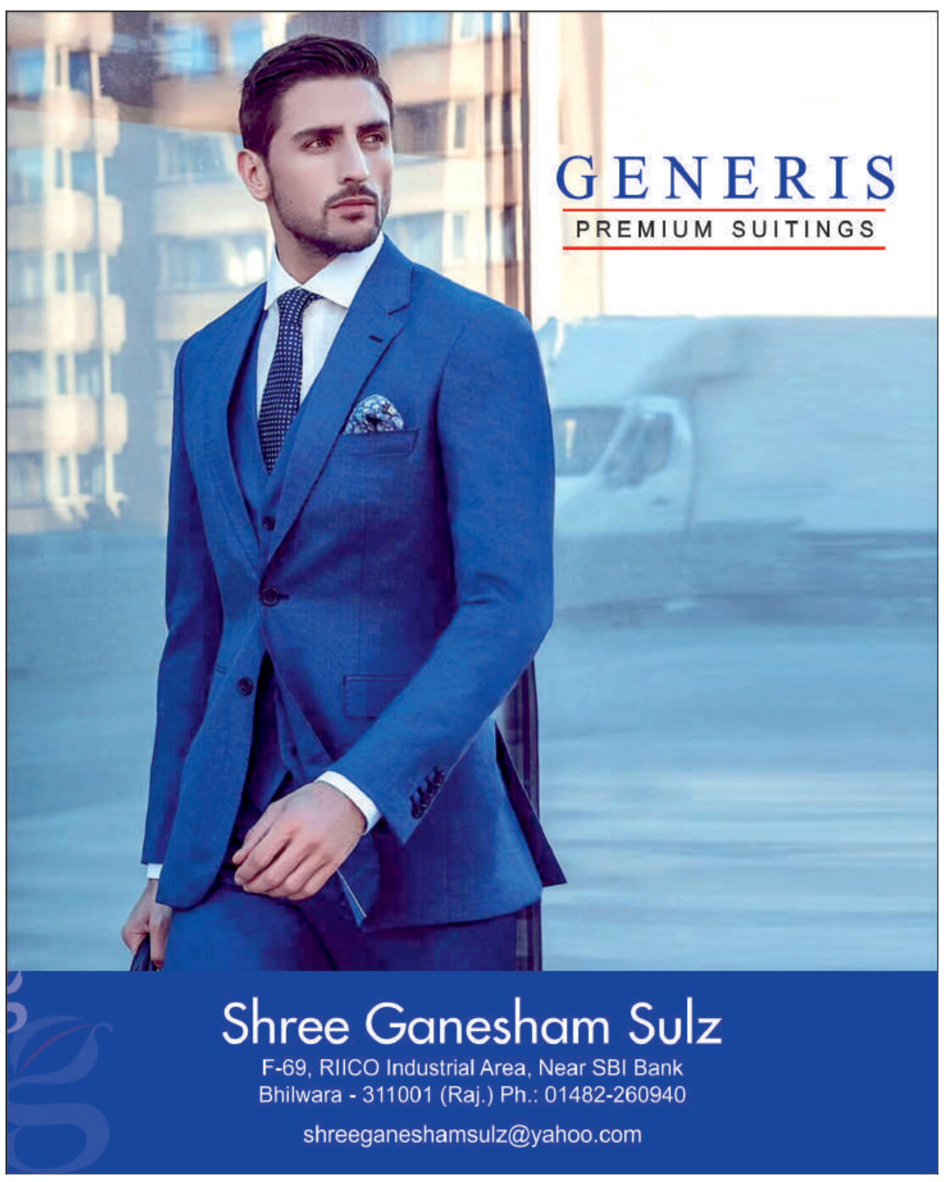

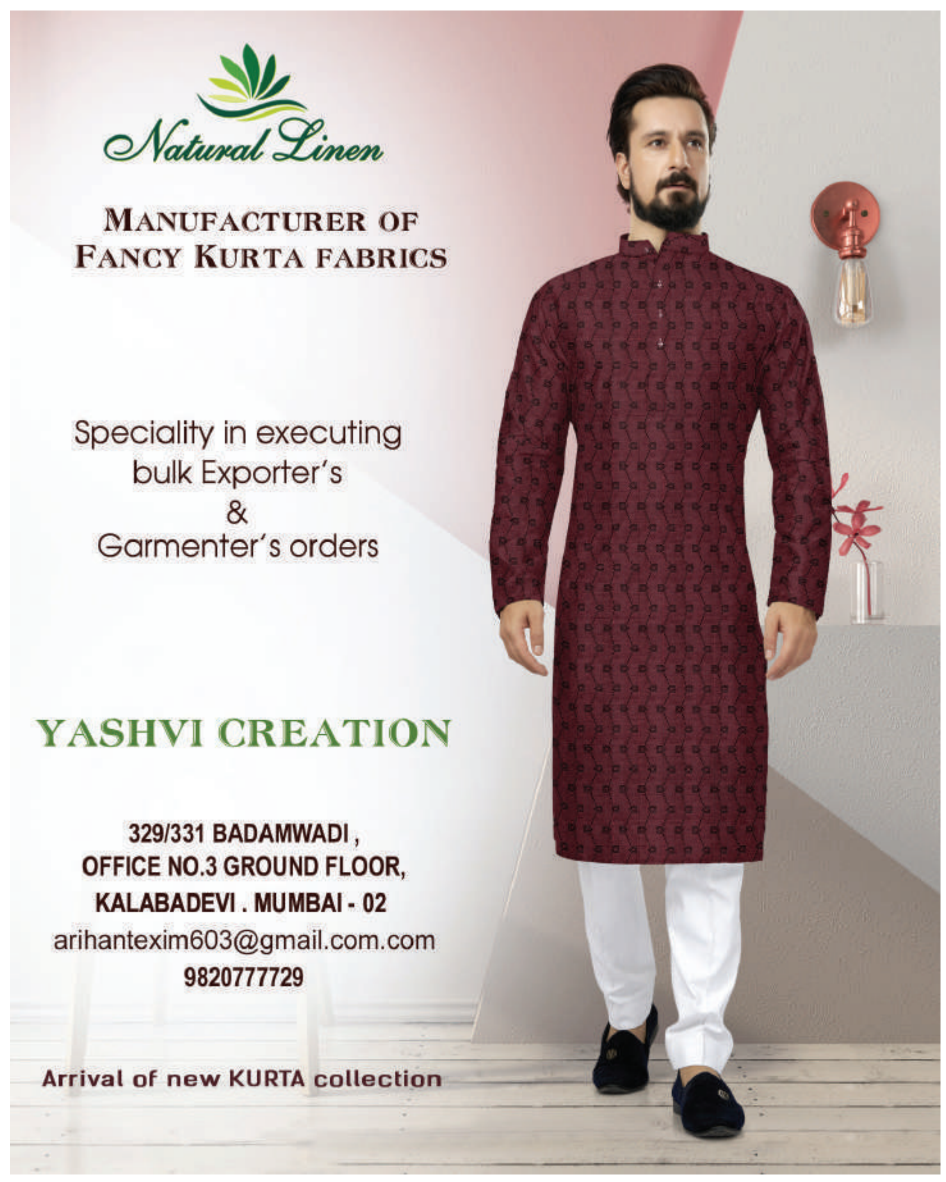

Happy Holi

Collection of Impression
The Perfect Man
Servicom's
FINE SUITINGS
Servicom Rayon India
e-mail : servicomrayonindia@yahoo.in
Mumbai office :
99, Dadiseth Agiary Lane, 2nd, Floor, Mumbai-2
Ph.: 022-22050755, Cell : 093242-20245
Bhilwara Office:
G-9/10, 4th Phase, RIICO Ind. Area, Bhilwara (Raj.)
Ph.: 01482-297324, Cell: 094141-14324

।। श्री नाकोड़ा भैरवाय नमः।।
BS
Deal with ease, deal with us
Specialisation in
UNIFORM&
CORPORATES
Bhairav Syntex
Textile Agent
112, 1st Floor, Shreenath Tower, Pur Road, Gangapur Choraha
Bhilwara-311001 (Raj.) bhairavsyntex11@gmail.com
MAHENDRA JAIN 94138 60897 | 63785 41066 | HARSH JAIN 94611 32695

Manufacturers Of Exclusive Shirtings & Corporate Uniform
Kalpatru
TRULY WONDERFUL
KALPATRU SYNTHETICS
PRIVAT LIMITED
CORP. OFF:- Rajlaxmi Comm. Complex,
'J' Bldg., 2nd Floor, Gala No. 216 to 218
Kalher Village, Bhiwandi,Thane- 421 302.
Tel: 95951-46883, 95952-46882
REGD. OFF:- 26, Bandrawala Bldg., 2nd Floor, 16,
Dadi Seth Agiari Lane, Mumbai- 02.
Ph.: 022-2240 0642 / 40056305,
Mob.: 93202-12219, 80807-77101
Helpline no +91 7219896584 | E-mail: kalpatru_syn@yahoo.co.in

MAYPRE
LEGACY OF FASHION
Dealing in
Shirting & Kurta Fabrics
MAHAVIR TEXTILES
Office: 19/21, Ladwadi, Khokhawala Bldg., 2nd Floor,
Old Hanuman Lane, Kalbadevi, Mumbai- 02.
Tel.: 022 4004 3239 | Email: mahavirtextiles@yahoo.co.in
For Trade Inquiry:- Kumarpal Jain- +91 93241 47233 | Karan Jain- +91 98206 86838

Qmax WORLD
SUNIL TIBREWAL GROUP COMPANY
NO.1 UNIFORM FABRIC MANUFACTURER
BRIGHT UNIFORM FABRIC FOR BRIGHT FUTURE
Visit our website
Customer Care No.
99305 58201

Step into the fascinating world of textile manufacturing with Anirudh Texchem Pvt.Ltd. Stay with us for more details!
ANIRUDH TEXCHEM PVT. LTD.
ANIRUDH TEXCHEM PVT. LTD.
+91 9352815046 www.anirudhtextile.com Anirudh Texchem
anirudhtexchem anirudhtextiles@rediffmail.com
C-69, B.T. Market, Pur Road, Bhilwara (Raj)
MUMBAI OFFICE: Room No. 8, First Floor, Dwarka Sadan, Sai Nath Road
Next To Lifeline Hospital, Malad (West), Mumbai-64 (Maharashtra) Mob:-98202-33140
Mills: E-170, Hamirgarh Growth Center, Bhilwara

Siyaram's
MARCONI
ITALIAN FASHION
SCAN THE QR CODE TO VIEW THE VIDEO
TR-KING
RCZETTI
GET NOTICED
COLE
THE POWER OF BLACK
ULTIMA
BODYCARE
FABRIC
Available at all the leading retail outlets and Siyaram's Shops across the country. For trade/corporate enquiries, contact: 022-68330500. Toll-free No.: 1800 209 4005.
For franchise enquiries, contact: 09820197273. Email: enquiries@siyaram.com | www.siyaram.com Follow us on:

Siyaram's का भारत टेक्स 2024 में भव्य डिस्प्ले

▪ अनेक देशों के एक्सपोर्टर्स एवं इम्पोर्टर्स रेंज देखकर हुए प्रभावित ▪ केन्द्रीय उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने सियाराम्स के उत्पादों को सराहा

नई दिल्ली/ 26 से 29 फरवरी, 2024 को देश की राजधानी स्थित भारत मण्डपम्-प्रगति मैदान एग्जीबिशन सेण्टर में सबसे बड़ी टेक्सटाइल एग्जीबिशन 'भारत टेक्स 2024' का भव्य आयोजन किया गया। एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल्स द्वारा भारत सरकार के टेक्सटाइल मंत्रालय के सहयोग से आयोजित इस एग्जीबिशन का उद्घाटन भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल एवं टेक्सटाइल राज्य मंत्री श्रीमति दर्शना जरदोश ने किया। **इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने 'भारत टेक्स 2024' में सभी का स्वागत किया और कहा कि आज का अवसर विशेष है, क्योंकि विकसित भारत के निर्माण में टेक्सटाइल सेक्टर का योगदान और बढ़ाने के लिए हम बहुत विस्तृत दायरे में कार्य कर रहे हैं। जिसके लिए ट्रेडीशन, टेक्नोलॉजी, टेलेण्ट एवं ट्रेनिंग पर फोकस किया जा रहा है। साथ ही टेक्सटाइल वेल्यू चैन की सभी कड़ियों को 5F (फार्म, फाइबर, फैक्ट्री, फैशन से होते हुए फॉरेन) के युग से एक दूसरे को जोड़ रहे है।**

इस कार्यक्रम में लगभग 100 देशों के 3000 से अधिक प्रदर्शकों और व्यापारियों तथा लगभग 40,000 व्यापारियों के समागम को सराहते हुए कहा कि भारत टेक्स इन सभी को एक मंच प्रदान करता है।

उन्होंने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के एक महान उदाहरण के रूप में भी इस आयोजन का जिक्र किया, जिसमें पूरे भारत की असंख्य वस्त्र परंपराओं को शामिल किया गया है। उन्होंने भारत की वस्त्र परंपरा की गहराई, जिजीविषा और क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए कार्यक्रम स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी की भी सराहना की।

टेक्सटाइल मंत्रालय एवं IPCH के संयुक्त तत्वावधान में देश की पहली एवं सबसे बड़ी टेक्सटाइल एक्जीबिशन ''भारत टेक्स 2024'' जबरदस्त उत्पाद एवं सफलता के साथ भारत मण्डपम् में सम्पन्न हुई। इस दौरान सीएमएआई द्वारा ''ब्राण्ड्स ऑफ इण्डिया'' अर्थात् भारत के टॉप ब्राण्ड्स का अलग से पैवेलियन तैयार किया गया जिसमें टेक्सटाइल उद्योग के प्रतिष्ठित ब्राण्ड्स सियाराम्स ने अपने सभी उत्पादों सुटिंग्स शर्टिंग्स, रेडीमेड गारमेण्ट्स एवं डेनिम उत्पादों डेननिट का शानदार डिस्प्ले कर अपनी स्टॉल को सजाया। **जिसे केन्द्रीय उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल एवं कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने विशेष रूप से सियाराम्स की स्टॉल विजिट करते हुए फैब्रिक रेंज की प्रशंसा भी की।** जहां सियाराम्स द्वारा TR में हेवी TR, 4 way-stretch फैब्रिक्स, पोलीवूल में सूपर 110s, 120s, 130s के साथ गीजा कॉटन शर्ट की रेंज का शानदार डिस्प्ले किया गया। जिसमें जैकार्ड, डॉबी, प्रिण्ट, स्ट्रक्चर, स्ट्राइप्स का समावेश था। इस अवसर पर सियाराम्स द्वारा आने वाले सीजन को ध्यान में रखते हुए अनेक नए कलर्स, पैटर्न को प्रदर्शित किया गया। इस दौरान कंपनी द्वारा अपने डेनिम ब्राण्ड 'डेननिट' ब्राण्ड में 'नेक्स्ट जेनरेशन डेनिम' अर्थात 4 way-stretch डेनिम मल्टीपल ब्लेंड में लॉन्च की जिसको इन चार दिनों में बाहर से आए अंतरराष्ट्रीय व्यापारियों, एक्सपोर्ट्र्स, इंपोर्टर्स एवं गारमेंटर्स से जबरदस्त सराहना मिली। इसके अलावा पॉली कॉटन, टेंसिल, मोडाल एवं स्पेण्डेक्स ब्लेड के साथ 80 प्रतिशत स्ट्रेचेबल डेनिम फैब्रिक भी लॉन्च किया जिसे देखकर सभी मंत्रमुग्ध हो गए क्योंकि डेनिम में इतना स्ट्रेच कम देखने को मिलता है। सियाराम्स अपेरल्स ब्राण्ड के कैजुअल एंड फॉर्मल पैंट-शर्ट की लेटेस्ट रेंज एक्सपोर्टर्स बायर्स को काफी पसंद आई।

अपने स्वागत भाषण में, केंद्रीय उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने कहा कि ग्लोबल टेक्सटाइल एक्सपो देश में पहली बार आयोजित किया गया। यह सबसे बड़ा टेक्सटाइल एक्जीबिशन है, जो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 5F के दृष्टिकोण - की परिकल्पना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए स्थानीय आपूर्ति शृंखलाओं को मजबूत करने की आवश्यकता है।

श्री गोयल ने कहा कि एक्सपो वैश्विक मंच पर उद्योग की संपूर्ण मूल्य शृंखला को एक साथ रखने और प्रदर्शित करने में सक्षम है और यह वैश्विक टेक्सटाइल महाशक्ति के रूप में भारत की स्थिति की पुष्टि करेगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन भारत को एक आकर्षक निवेश और सोर्सिंग गंतव्य के रूप में स्थापित करता है। उन्होंने अपने 'लोकल के लिए वोकल' मंत्र के माध्यम से न केवल देश को स्थानीय उत्पादों का समर्थन करने के लिए एकजुट करने के लिए, बल्कि उन्हें 'लोकल फॉर ग्लोबल' पहल को प्रोत्साहित करने के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया।

मंत्री महोदय ने कहा कि सरकार ने अपनी विभिन्न पहलों - पीएम मित्र, उत्पादन-युक्त प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, समर्थ (कपड़ा क्षेत्र में क्षमता निर्माण के लिए योजना) और राष्ट्रीय तकनीकी कपड़ा मिशन के माध्यम से कपड़ा उद्योग को भारी प्रोत्साहन प्रदान किया है।

भारत टेक्स 2024 एग्जीबिशन के दौरान सियाराम सिल्क मिल्स के सीएमडी श्री रमेश पोद्दार ने इस एग्जीबिशन को सराहते हुए कहा कि भारत सरकार द्वारा यह प्रयास बहुत सराहनीय है। मुझे इस बात की खुशी है कि सरकार टेक्सटाइल उद्योग को बढ़ावा देने के लिए अनेक प्रयास कर रही है। जहां एक ही छत के नीचे टेक्सटाइल की सभी केटेगरीज को शामिल किया गया है। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 5F (फॉर्म टू फारेन) मंत्र दिया है जो कपड़ा उद्योग में नया जोश एवं उत्साह भरकर आगे बढ़ने को तैयार रहेंगे। उन्होंने बताया कि भारत टेक्स में सियाराम्स ने अपने सभी उत्पादों का बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया एवं आगे भी और बड़े स्तर पर भाग लेंगे।

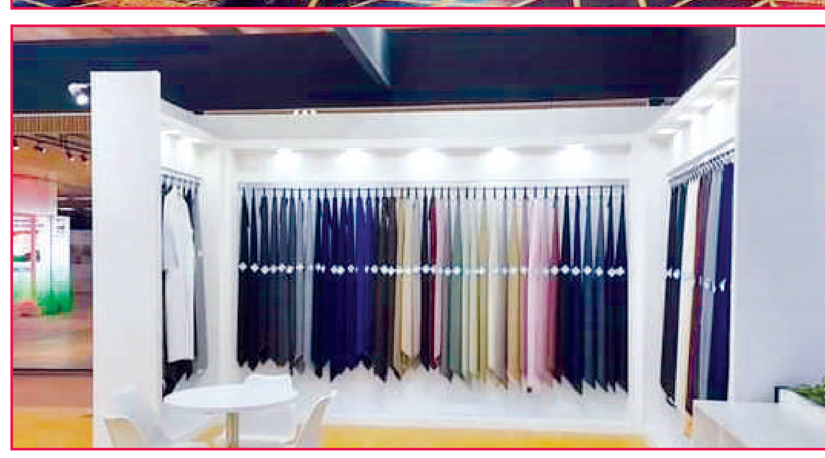

सम्पादकीय....

लोकतंत्र के उत्सव पर दुनिया की नजर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव बड़ी चुनौती

आम चुनाव की तारीखों की घोषणा हो गई है। सात चरण में मतदान होंगे। पहले चरण के मतदान से लेकर नतीजों की घोषणा तक डेढ़ महीने चुनाव का माहौल बना रहेगा। पहले चरण के मतदान से पहले भी पूरा एक महीना राजनीतिक दलों को मिला है। यानी चुनाव कुल ढाई महीने की अवधि में फैला है। यों राजनीतिक दल इसके लिए काफी पहले से तैयारियों में जुट गए थे। उम्मीदवारों के नामों की घोषणा, सहयोगी दलों के साथ सीटों के बंटवारे आदि को लेकर मंथन काफी समय से चल रहा था। अब वे अपना-अपना समीकरण लेकर मैदान में उतरेंगे। मगर चुनाव का ज्यादा दारोमदार आखिरकार मतदाता पर होता है। वह चुनाव को क्या दिशा देता है, इस पर दुनिया की नजर टिकी होती है। मगर कुछ चुनावों के अनुभवों से जाहिर है कि मतदाता चुनाव को लोकतंत्र के उत्सव के रूप में मनाने के बजाय दलगत उन्माद से भर जाते हैं। इसी का नतीजा कई जगहों पर राजनीतिक हिंसा में दिखाई देता है। कुछ राज्यों में हिंसा की घटनाएं चिंता पैदा करती हैं। इसी के मद्देनजर भारतीय निर्वाचन आयोग को अपनी रणनीति तैयार करनी पड़ती है। चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप में संपन्न कराए जा सकें, यह निर्वाचन आयोग के सामने बड़ी चुनौती होता है। चुनाव के वक्त राजनीतिक दल एक-दूसरे पर स्वाभाविक रूप से आरोप-प्रत्यारोप लगाते हैं। उसमें कई बार आपत्तिजनक बयान भी आ जाते हैं। उस पर नजर रखना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है। मगर पिछले कुछ चुनावों से देखा जा रहा है कि पार्टियों के समर्थक खुद राजनेताओं के बयानों के बचाव या विरोध में परस्पर गुत्थम-गुत्था हो जाते हैं। पश्चिम बंगाल और दक्षिण के कुछ राज्यों में ऐसा वातावरण कुछ अधिक देखने को मिलता है। लोकतंत्र में असहमति अच्छी बात है, मगर उसे लेकर हिंसा पर उतर जाना किसी भी रूप में लोकतांत्रिक नहीं कहा जा सकता। इससे नाहक निर्वाचन आयोग और सुरक्षाबलों की परेशानियां बढ़ती हैं। बहुत सारे मतदाताओं के मनोबल पर भी इसका असर पड़ता है और वे मतदान केंद्रों तक पहुंचने से हिचकते हैं। एक लोकतांत्रिक देश का जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हर मतदाता से उम्मीद की जाती है कि न केवल वह अपने विवेक से मतदान करे, बल्कि मतदान की प्रक्रिया को भी बाधित होने से बचाए। मतदान के बदले राजनीतिक दलों की तरफ से दिए जाने वाले पैसे और उपहार वगैरह के प्रलोभन से पार पाना भी बड़ी चुनौती बन गया है, इस मामले में भी मतदाताओं की मदद की अपेक्षा है।

हालांकि इतने लंबे समय तक चुनाव को फैला देने पर कुछ राजनीतिक विशेषज्ञों के एतराज को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता। चुनाव की अवधि जितनी लंबी खिंचती है, उतनी ही उसमें गड़बड़ियों की आशंका भी बनी रहती है। इसे लेकर कई बार आपत्ति दर्ज कराई जा चुकी है। पहले चरण के मतदान के बाद करीब डेढ़ महीने तक वोटिंग मशीनों की निगरानी करनी पड़ेगी। इतने लंबे समय तक आदर्श आचार संहिता लागू रहने से सरकारी कामकाज भी प्रभावित होंगे। सुरक्षाबलों को लगातार एक से दूसरे इलाके में स्थानांतरित करते रहना पड़ेगा। इसलिए मांग की जाती रही है कि चुनाव को कम से कम समय में संपन्न कराया जाना चाहिए। हालांकि सुरक्षा कारण बड़ी चिंता का विषय हैं, पर इतनी लंबी अवधि में फैले चुनाव में स्वतंत्रता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना खुद निर्वाचन आयोग के लिए भी कम कठिन काम नहीं होता है।

कुछ नया, कुछ अलग •

जो समय को देगा मान, जगत में उसी का होगा सम्मान !

मेरे प्यारे दोस्तों,

वैसे तो आज आपके पास जो बात लेकर आया हूँ वह बहुत ही ऋजु और महत्त्वपूर्ण है। क्योंकि मनुष्य के लिए जितनी कीमती जिंदगी है, उतना ही कीमती समय है। हर एक मिनट हमारे लिए मूल्यवान है और इसलिए जो इसकी अच्छी देखभाल करता है, वो जीवन में सफल होता है। हम सब जानते हैं कि समय और ज्वार किसी का इंतजार नहीं करते हैं समय निकलने के बाद कभी भी पुनर्प्राप्त नहीं किया जा सकता है इसलिए हमें अपना समय बर्बाद नहीं करना चाहिए। चार्ल्स डार्विन का एक मत है - 'केवल वही इंसान अपने जीवन का एक घंटा बर्बाद करने का दुस्साहस कर सकता है, जो इसकी कीमत नहीं जानता।' समय को उचित मान देना हमारा कर्तव्य है। समय सर्व शक्तिशाली है। समय नियति, इतिहास और सभ्यता है। कुछ भी समय से परे नहीं है।

श्री हरेश मेहता
प्रेसीडेन्ट-यश कॉटन कॉरपोरेशन
(प्रसिद्ध मार्केटिंग गुरू)

सब लोग सफलता, खुशी, प्रसिद्धि आदि चाहते हैं, लेकिन कुछ लोग ही यह सब प्राप्त कर पाते हैं क्योंकि वह अपने समय का सदुपयोग करते हैं। समय का असली महत्त्व वह जानते हैं जिन्होनें अपने समय का सदुपयोग नही किया जिसके कारण वह जीवन में बहुत-सी कठिनाइयों का सामना कर रहें है।

एक बार यदि समय हमारे हाथ से निकल जाता है, तो फिर वह कभी वापस नहीं आ सकता। समय पैसे से ज्यादा कीमती है। यह राजाओं और राजकुमारों की तुलना में अधिक शक्तिशाली है। वे आते हैं और चले जाते हैं लेकिन समय हमेशा के लिए है। इसकी न तो कोई शुरुआत है और न ही कोई अंत। हम इसे जन्म, वृद्धि, क्षय और मृत्यु के रूप में पहचानते हैं। इसे उपयोगी व महत्त्वपूर्ण कार्यों के लिए खर्च किया जाना चाहिए।

प्रत्येक व्यक्ति को समय का मूल्य पता होना चाहिए और इसलिए उन्हें अपने समय का अधिकतम उपयोग करना चाहिए। जैसा की कई व्यक्तियों ने किया और आज वह महापुरुषों की सूची में शामिल है। हम देख सकते हैं कि उन्होंने समय का उपयोग कैसे किया, उन्होंने अपना जीवन कैसे बदला। देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी इसका ज्वलंत उदाहरण है। 18-18 घंटे देश के लिए कार्य करना और समय के साथ अपना जीवन ढाल देना कम बात नहीं है। समय के साथ चलते हमें भूतकाल को पीछे छोड़ देना चाहिए, भविष्य की चिंता को भूल जाना चाहिए और इसमें जो महत्त्वपूर्ण है, वह वर्तमान है।

जीवन बहुत छोटा है। यह कहा गया है कि यह समुद्र में एक बूंद की तरह है। यह बूंद बर्बाद नहीं होनी चाहिए। इसे समझदारी और सोच-समझकर इस्तेमाल करके इसे मोती में बदला जा सकता है। जब हम कहते हैं, समय पर किया गया काम विजय अर्जित करता है। ठंडा होने पर लोहे को तोड़ना बहुत कठिन है, सही समय है जब यह लाल गर्म होता है।

हमारी गतिविधियों को अच्छी तरह से योजनाबद्ध किया जाना चाहिए ताकि समय की बचत हो सके। आलस्य और अकर्मण्यता के लिए कोई जगह नहीं है। अधिक विचार मानव जाति के महान शत्रु है। देरी और निष्क्रियता समय के चोर है। जीवन के छोटे-छोटे क्षण भी बहुत महत्त्वपूर्ण हैं। समय के साथ चलता हुआ मनुष्य ही सफलता के मार्ग तक पहुँच पायेगा। समय अथक परिश्रम करने वाले लोगों का मित्र बनकर उनके साथ चलेगा। जरूरी नहीं कि आज वक्त सही नहीं चल रहा, तो भविष्य में भी यह बेहतर नहीं होगा। इसी तरह अगर आज किसी के सितारे बुलंद हैं, लेकिन वो इसकी परवाह नहीं करता, तो वक्त को बदलते देर नहीं लगती। समय अपना काम करेगा हमें अपना काम करना है। हम समय को मान देंगे तो ही हमें दुनिया में सम्मान मिल पायेगा। कवि मानसी मित्तल की एक सुंदर कविता के साथ आज की इस बात को अल्पविराम देना चाहता हूँ।

समय की धारा बह रही है हर पल,
कुछ बीत गया, कुछ आने वाला है कल।
फिसल रही है रेत-सी यूँ जिंदगी,
बदरंग हो चली है सारी जमीं।
छूट रहा है वो समाँ जाने किधर,
समय की धारा बह रही है हर पल।
पल दो पल चल रही यूँ जिंदगी,
तीव्र हो रही है समय की गति।
छूट रहा है वो समाँ जाने किधर,
समय की धारा बह रही है हर पल।

Email: harresh.mehta@yashcotton.com | Mobile +91 82916-71111

'वरेण्यम' (An International Textile Association) ने उत्तरप्रदेश राज्य में कानपुर यूनिट की स्थापना की

कानपुर/ श्री गोपाल तुलस्यान

9 फरवरी, 2024 को कानपुर के महत्त्वपूर्ण, अनुभवी एवं टेक्सटाइल क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले लोगों की बैठक सम्पन्न हुई। इस विशेष बैठक में इंदौर से कानपुर आए अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अवधेश कुमार शर्मा ने भाग लिया। श्री शर्मा ने टेक्सटाइल जगत में एक प्रभावशाली संस्था की आवश्यकता पर बहुत जोर दिया क्योंकि उत्तरप्रदेश के कानपुर को कभी ''Manchester of India'' कहा जाता था। जहाँ पर अब टेक्सटाइल की एक भी बड़ी मिल नही चल रही हैं। पूरे उत्तरप्रदेश से भी टेक्सटाइल उद्योग गायब-सा हो गया है जबकि टेक्सटाइल व्यापार तो बढ़ गया है। यह केवल इसलिए हुआ कि प्रदेश में कोई संस्था टेक्सटाइल उद्योग की जरूरत और बढ़ावा की तरफ ध्यान ही नहीं रख सकी बल्कि सच्चाई तो ये है कि ऐसी कोई भी प्रभावशाली संस्था थी ही नहीं। कल की मिटिंग की अध्यक्षता GCTI के पूर्व प्राध्यापक श्री B D Dixit जी ने की। श्री अवधेश कुमार शर्मा ने 'वरेण्यम' (An International Textile Association) की उत्तरप्रदेश शाखा के अध्यक्ष पद हेतु श्रीमान गोपाल तुलसियान जी के नाम को प्रस्तावित किया जिस पर सब ने सहमति जताई और श्रीमान गोपाल तुलसियान जी को उत्तरप्रदेश का अध्यक्ष घोषित कर दिया गया। तत्पश्चात् श्री अवधेश कुमार शर्मा जी ने 'वरेण्यम' (An International Textile Association) की कानपुर शाखा के अध्यक्ष पद हेतु श्रीमती अलका अली के नाम को प्रस्तावित किया जिस पर सब ने सहमति जताई और श्रीमती अलका अली जी को कानपुर का अध्यक्ष घोषित कर दिया गया।

चुनाव आचार संहिता में व्यापार और व्यापारियों का नुकसान न हो -कैट

सतना/ बलराम शुक्ला...लोकतांत्रिक देश में आम चुनाव होना 5 साल की एक प्रक्रिया है। व्यापार दिन-रात बारह महीने चलते रहता है। चुनाव में आचार संहिता लागू होना अच्छी बात है, उतना ही जरूरी है व्यापार जिस तरीके से चलता है वह प्रभावित ना हो चलता रहे। देश के व्यापारियों की शीर्ष संस्था कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया टेंडर्स (कैट) का मानना है कि व्यापार और व्यापारियों का नुकसान नहीं होना चाहिए।कैट का मानना है कि व्यापार में शहर के व्यापारी विभिन्न गाँवों में, देहातों में, आदिवासी इलाकों की दुकानों में माल भेजते हैं। समय-समय पर वहां जाकर अपने पैसों की वसूली करते हैं। काफी रकम उनके पास जमा रहती है। इसी प्रकार सोना-चांदी के व्यापारी व सामानों के व्यापारी अपनी गाड़ियों में माल भरकर गांव-गांव बेचते हैं। सामान के पैसे जमा करते हैं, बहुत सारा पैसा और सोना-चांदी आभूषण आदि व्यापार सम्बन्धित रहते हैं। अर्थव्यवस्था को चलाए रखने के लिए यह सब अनिवार्य है। शादी-ब्याह व सीजन भी शुरू होने वाला है ऐसे समय पर माल की खपत बढ़ जाती है। इसी के साथ ग्रामीण क्षेत्रों से बहुत से लोग नगद पैसे लेकर शहर में खरीदी के लिए आते हैं अर्थात् बाजार में, यात्रा में पैसे लेकर सफर करना व्यापारियों की जरूरत बन जाता है। चुनाव की घोषणा होते ही आचार संहिता लागू हो जाती है। चुनाव में भ्रष्टाचार ना हो, पैसों से चुनाव प्रभावित ना हो, इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए चुनाव आयोग दिशा-निर्देश देता है। एक ओर अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए व्यापारियों को नगद, सोने -चांदी के आभूषण लेकर यात्रा करना अनिवार्य है तो दूसरी ओर पैसों का चुनाव में दुरुपयोग ना हो यह भी सुनिश्चित करना जरूरी है।

पंजीयन शुरू - कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया टेंडर्स (कैट) का हमेशा से यह मानना रहा है कि व्यापार और व्यापारी को प्रभावित ना करते हुए आचार संहिता का पालन होना चाहिए। अगर पैसा या आभूषण, पेन कार्ड और बाकी दस्तावेज है तो इस प्रकार का सामान मिलने पर बिना जब्त किए पंजीयन कर लिया जाए। वेरिफिकेशन के पश्चात गलत होने पर कार्रवाही की जा सकती है। मगर माल जब्त करने पर पैसा जब्त करने पर व्यापार बाधित होता है। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया टेंडर्स (कैट) ने चुनाव आयोग से मांग की है कि इस पर कोई ऐसा तरीका निकाला जाएं कि सही व्यापारी को व्यापार करने में, आने-जाने में उसका माल व पैसा जब्त ना किया जाए। बैठक में सर्वश्री कमलेश पटेल, अशोक दौलतानी,चन्द्रशेखर अग्रवाल, पवन मलिक, मनोहर वाधवानी, अभिषेक जैन, जितेंद्र सबनानी, अंकुल अग्रवाल, तरुण ठक्क र, जे पी शर्मा, सुशील मंघनानी इत्यादि उपस्थित थे।

Yarn Rate+GST

यार्न रेट्स 20 मार्च, 2024

C.T.M.

PH. 247511, 247512, 9829045130

2/30 NTBL	214
2/18 Dyed	174
2/40 Dyed	254
2/30 Frosted	212
2/30 Dyed Slub	214
2/30 School Dress Clourer	214

R.T.M

PH. 24766, 9829046404

2/30 Dyed Ntbl	218
2/40 Dyed	258
2/30 Frosted	216

Birla Tex Mills

2/18 Dyed	99

SRM Spinners

Mob. 8078660873

2/18 PV Diamond	145
2/18 PV Navy 85:15	155
2/18 PV Black 70:30	152
2/18 R Navy 70:30	168
1/15 Poly Black	105
20 PV Black	133
15 PV Black	132

GRASIM INDUSTRIES LTD.

PH. 247324, 93521-45544

2/30 NTBL	230
2/40 Dyed	270
2/50 Dyed	335

PANIPAT YARN

Mob: 9416031498

TEXTURISE	
150 Roto Grey	107-144
150 Roto Black	115-155
150 Roto Bright	130-145
150/250 Grey	120-160
150/250 Dyed	136-179
150 Fdy	132
P.V. Yarn	
2/20 Grey CL	119
2/40 POLY	165
2/15 Poly Grey	110
2/20 Poly CL	-----
20 Poly CL	111
Cotton Yarn	
4 CONE	57-98
6 CONE	86-148
10 CONE	90-190
2/4 CONE	986-145
2/6 CONE	92-160
2/8 CONE	90-172
2/10 CONE	108-200
2/20 CONE	219-275
2/30 CONE	299-405
2/40 CONE	284-360
STAPLE YARN	
10 CONE	183
15 CONE	187
20 CONE	196
2/15 CONE	196
2/40 CONE	245

VISAKA IND. LTD.

PH. 93514-27900

2/20 Poly Grey	162
2/24 Poly Grey	167
2/30 Poly Gray	174
2/40 Poly Grey	198
2/60 Poly Gray	258
2/76 Poly Gray	320
2/30 PV Black	220
2/40 PV Black	258
2/30 PV HD Dyed	245

GORAKHPUR YARN PRAHALAD RAI & CO.

PH. 99358-27000

Ankur	
2/30 P/V	148
2/30 P/V	176
1/30 P/V	156
Janvi	
1/15 Psy	121
Triveni	
2/40 PV	202
2/30 PV	---
Mahabir	
15 PV	---
20 PV	---

Inclusive of 12 % GST

NEETA YARNS

Ph. 022-28335766, 093246-70428 (M) 98210-82022

Fancy Yarn Per Kg

30/62 Alpine	215
2/60 PVT	215
2/60 Polyster	230
2/80 PC Combed	320
2/76 Polyster	375
2/60 P.V.	265

MODTEX TEXTURISERS

PH. 246496, 98292-50430

150/400 Cone Dyed	193+GST
150 HIM Cone Dyed	182+GST
300 HIM Cone Dyed	181+GST
450 ATY fancy Cone	------
300 Black B. Cone Dyed	....
240 Lighting 100% Cone Dyed	....

PAWAN ENTERPISES 9414111656

Triveni Spinning	
1/15 Pv. 70/30 Z Black@	142
2/30 pv 70/30 Z Black@	176
2/40 Pv70/30 Z Black@	210
Vergine Quality	
1/15 Pv 70/30 Grey @	140
1/20 Pv 70/30 Grey	
2/15 Pv 70/30 Grey@	155
2/18 Pv 70/30 Grey @	160
2/30 Pv70/30 Grey@	182
1/15 Polyester Grey@	121
2/20 Polyester Grey @	140
2/30 70/30 Melange@	190
2/30 100% Viscose@	220
2/40 100% viscose@	250

समाचार पत्र प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें।
MOBILE 9468835188, 417, 4th FLOOR, COMMERCIAL MALLGOVINDAM, OLD RTO ROAD, BHILWARA-311001

Raghav Group

M. 94141-11402
Email: sheetal@raghavindia.com

Raghav Agency Trident Ltd.	
1/10 OE	164
1/14 OE	174
1/16 OE	178
1/20 OE	202
30 KW	255
30 CW	270
2/40 CW ELLY	264
40 CW COMPACT	370
50 CW COMPACT	415
Ankur Udyoug	
1/30 Polyester 100%	135+GST
1/20 Polyester 100%	130+GST
1/15 Polyester 100%	125+GST
Sidhartha Super Spinning Mills	
2/15 P/V Dyed OG	225+GST
2/18 P/V Black	165+GST
2/30 P/V Black	230+GST
LNJ DENIM	
6 OE	170
7 OE	172
10 OE	175
10 Lycra	250
10 Slub Lycra	270

HIND SYNTEX LTD.

PH. 247916, 94141-15916

2/15 Gray Blanded	165+GST
2/30 PV	175+GST
15S PV	150+GST
2/24 PV	170+GST
2/30 Polyester TFO	155+GST
2/20 Polyester TFO	145+GST

JAGDAMBA SPINNING YARN PRICES

POLYESTER ULTIMA YARN	
40s poly	165
15s poly	135
30s poly	145
40 poly @	158
30 poly @	142
24 poly @	136
20 poly @	132
15 poly @	127
12 poly @	124
10 poly @	122
8 poly @	119
PV YARN PRICES (70:30)	
2/30 pv @	180
2/20 pv @	170
2/15 pv @	165
40 pv @	179
30 pv @	163
24 pv @	157
20 pv @	153
18 pv @	151
15 pv @	148
10 pv @	143
MAGIC YARN	
2/47 PV Magic	190
2/32 PVT	156
2/32.PT.	146
2/47 Poly Magic	166
2/45 POLY MAGIC	168

Ratan Barjatiya Yarn Spinners P. Ltd.

PH. 94141 13144

2/60 pv	260
2/40 pv	185
2/30 pv	165
2/24 pv	160
2/20 pv	156
2/18 pv	160
2/15 pv	155
20 pv.	147
15 pv.	142
10 pv.	140
2/60 pv kk	281
2/40 pv kk	205
Nahar	
2/40 pv	200
2/30 pv	175
30 pv.	158
2/30 pv 65/35.	171
Formosa,nahar	
PV RECYCLED 70/30.	
2/30.	154
15.	131
100% POLY YARN	
2/40.	175
2/30.	148
2/24.	138
2/20.	138
2/15.	132
20.	127
15.	122
10.	119
8.	119
Less 1 rs cd	
RECYCLED POLY	
2/40.	148
2/30.	128
2/15.	111
15.	106. NAHAR
15.	103 SUPER
PVT YARN	
2/47	Poly Magic
2/45	Poly Magic
2/32	Pvt ,Pt
2/15	Black & White Spun
2/30	Grindel Spun Black White
2/30	Grindel Slub
BLACK YARN	
2/30 pv	161
2/18 pv.	141
2/15 pv	136
15 pv.	127
2/30 poly black	138
15 POLY black.	104

Please contact us for any enquiry
Bhavit Jain : Mob. 99292-13144

NB TEXTILE LLP (MADE IN INDIA)

Bhavit Jain
+91 99289 13144
JNB YARN MUMBAI

2/60 pv -	235
2/40 pv -	180
2/30 pv -	155
2/24 pv -	149
2/20 pv -	145
2/15 pv -	135
100% poly	
2/76 -	275
2/60 -	230
2/40 -	178
2/30 -	156
2/24 -	152
2/20 -	147
2/15 -	143
Recycled pv 70/30*	
2/30 pv -	158
Recycled poly	
2/40 -	159
2/30 -	137
2/20 -	131
2/15 -	125
PC YARN 65:35	
2/40 COMBED -	235
2/30 COMBED -	195
2/30 CARDED -	200
14 PC VIRGIN 65/35	-141
14 PC OE 50/50 -	134

Jain Lalit Dhaliwal

(9364100686) | (9364471001)
URVASHI AGENCY

Sulzer reyon 48"	
40 pick @	23/00
42 pick@	23/50
44 pick@	24/00
50 pick@	25/25
52 pick@	26/00
56 pick@	27/25
Airjet 48"	
40pick@	23/00
42 pick@	23/50
44 pick@	24/00
50 pick@	25/50
52 pick @	26/25
56-58pic@	27/50
58 pick pakka@	27/75
Slub48"	
@28/76 Sulzer bale or Roll	
Slub48"roll Airjet@	29/50
54" plain 68*58@	31/25,
56 pick@	30/75
54" slub	
airjet@	33/00
Reyon slub	
Slub 48"@	28/75
Slub,airjet @	30/00
63"@38/00 sulzer	
Slub 63"	
64 pick 63" airjet 39/50-*	
71" Plain	
68*58 @	43/00
71"HT	
68*46(44) @38/25 normal	
Mill goods pakka 46 pick pakka @39/25	
Cotton sattine 48"	
6060/128*68@	38/00
6060/144*66@	39/50
6060/165*80@	49/50
40c*40lycra	
46(44) pick airjet Roll@	55/-
Slub Lycra(Reyon)	
66"@	48/00
72"@	53/00
78"@	57/00
88" RS@	62/00
Slub Lycra	
Plain Lurex 48" 68*56@29/00 sulzer,	
airjet @30/00	
63" 68*58(56)silver 1cm Lurex Airjet@39/00	
HT Lurex 68*44 2CM 71"@41/00	
46 pick @42/-	
63" Plain Airjet	
44 pick 63" @	30/75
46 pick 63" @	31/50
50 pick 63"@	32/75 airjet
52 pick 63"@	33/50
56 pick 63"@	35/00
58 pick 63"@	35/75
3030/92*68 63"	
plain 205-210gm@	47/00
Cotton Popline & cambrick	
6060/92*88(86) 48"@	38/50
6060/92*88(86) 63"@/	49/00
(86 pick)	
6060/165*104 63" sattine@69/00	
6060/132*104 63"@	69/-
6060/132*100 63"@	67/-
4040/132*72 63"@	69/-
4040/124*72 63"@	65/-
4040/124*64 63"@	61/-
4040/132*68 63"KK@	64/-
4040/120*72 K*K 63@	59/50
Cotton Flax 56*44(42) 63"@	74/-
Reyon Flax 56*44(42) 63"@	70/-

प्रसिद्ध कपड़ा व्यवसायी श्री रानीदान नाहर की सुपुत्री डॉक्टर निशा नाहर को मिला जॉइंट सर्जिकल कॉलेज मेडल

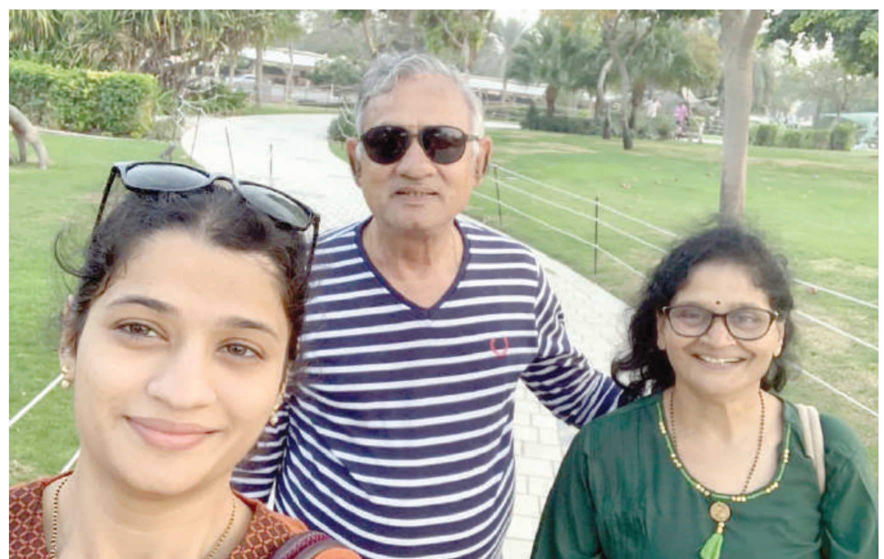

डॉ. निशा नाहर

चेन्नई

स्थानीय वस्त्र मंडी में होलसेल कपड़ा व्यापार में प्रसिद्ध फर्म कमल डिस्ट्रीब्यूटर के ओनर श्री रानीदान नाहर की सुपुत्री जो पेशे से दुबई (UAE) में सर्जिकल डॉक्टर पद पर सेवाएं दे रही हैं। श्री नाहर ने बताया कि बिटिया को हाल ही में जनरल सर्जरी जेएससीएएफई स्पेशलिटी बोर्ड द्वारा संयुक्त सर्जिकल सेक्शन-2 परीक्षा में उतीर्ण होने पर संयुक्त सर्जिकल कॉलेज मेडल से सम्मानित होने का लेटर प्राप्त हुआ है। गोरतलब है कि यह लेटर मेंबरशिप डिपार्टमेंट रॉयल कॉलेज सर्जन का हिडेनबर्ग (लंदन यूके) द्वारा दिया गया है।

THE ROYAL COLLEGE OF SURGEONS OF EDINBURGH | Royal College of Surgeons of England | ROYAL COLLEGE OF PHYSICIANS AND SURGEONS OF GLASGOW | RCSI

Joint Surgical Colleges Fellowship Examination

General Surgery

WT/em

28 November 2023

Mrs N Mandhane
Flat 329
S2 Building
Al Hudaiba
Dubai
United Arab Emirates

Mrs. Nisha Nahar Mandhane

JSCFE in General Surgery Section 2 Examination – November 2023, Malta
Joint Surgical Colleges Medal

Please accept my congratulations once again on passing the above examination. I have great pleasure in advising you that you have been awarded the Joint Surgical Colleges Medal by the JSCFE Specialty Board in General Surgery. The Joint Surgical Colleges Medal is awarded each examination diet to the candidate who passes the Section 2 Examination with the highest score at the first attempt.

The College to which you have chosen to affiliate will be writing to you formally to invite you to attend an affiliation ceremony, at which you will be presented with the Medal.

With best wishes and many congratulations on your success.

Yours sincerely

Mr William G Tennant
Chair
JSCFE in General Surgery

Cc Membership Department, Royal College of Surgeons of Edinburgh

The Royal College of Surgeons of Edinburgh
Nicolson Street Edinburgh EH8 9DW

Tel: 0131 662 9333
www.jscfe.co.uk

भूल ना जाना ०४२

RISHAB WORLD

वीर दुर्गादास राठौड़

(१६३८ - १७१८)

मारवाड़ के **महाराजा जसवन्त सिंह** की मृत्यु होने के बाद **सेनापति दुर्गादास राठौड़** को **राठौड़ वंश** के अनुरूप शासन चलाने के लिए याद किया जाता है।

वीर दुर्गादास ने महाराजा की **अनुपस्थिति** में औरंगजेब द्वारा **मारवाड़** पर आक्रमण करने पर वीरतापूर्वक सामना किया।

दुर्गादास ने **मारवाड़** का भावी **महाराजा** बनाने हेतु **कुंवर अजितसिंह** को हर तरह से प्रशिक्षित किया और उनसे यह परम्परा आज तक चली आ रही है ।

दुर्गादास को उनकी **ईमानदारी** के लिए भी याद किया जाता है कि उन्होंने उनके आधिपत्य में मुगल साम्राज्य के पौत्रों को हर तरह की सुरक्षा प्रदान की, जो उसके कब्जे में थे ।

वे अपनी वृद्धावस्था में भी सक्रिय रहे। सन् 1707 में औरंगजेब की मौत के बाद उन्होने राज्य व राठौड़ आदर्शों का विस्तार किया ।

उनकी **वीरता और ईमानदारी** को लेकर कई नाटक व फिल्में बनी, उनमें 1960 में बनी फिल्म **'वीर दुर्गादास'** प्रमुख है।

राठौड़ के सम्मान में भारत सरकार द्वारा सन् 1988 में डाक टिकट जारी किया गया, जिसमें उनकी **वीरता का चित्रण** है ।

HI FABRIQUE INC.®
HI-FABRIQUE H-F BANGALORE®
Corporate Office :
77, Jodh Towers, Lalbagh Road, Bengaluru - 560027 INDIA. Tel. No : +91 80 40500200 Email : info@hifabrique.com
Mumbai Office :
30/32, Champa Galli Cross Lane, 1st Floor, No.5 Off Kalbadevi Rd,Mumbai - 400002, INDIA. +91 22 22426585 Email : infomumbai@hifabrique.com
www.hifabrique.com
Venerdi® ITALY

लम्बे समय के बाद फरवरी में सुधरा रेडीमेड गारमेण्ट निर्यात

कॉटन यार्न, फैब्रिक, मेड-अप्स निर्यात में वृद्धि जारी

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

एक लम्बे समय के बाद फरवरी में देश के रेडीमेड गारमेण्ट सेक्टर के लिए निर्यात मोर्चे से एक अच्छा समाचार आया है क्योंकि रेडीमेड गारमेण्ट के निर्यात में 4.88 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, लेकिन कुल मिलाकर चालू वित्त वर्ष के पहले 11 महीनों में इसका निर्यात गत वर्ष की तुलना में 11.42 प्रतिशत पीछे है। कॉटन यार्न, फैब्रिक, मेड-अप्स और हैंडलूम उत्पादों में वृद्धि की दर लगातार बनी हुई है, जो फरवरी में 17.07 प्रतिशत अधिक रहा। फरवरी के दौरान मैन मेड यार्न, फैब्रिक आदि का निर्यात भी गत वर्ष की तुलना में अधिक रहा है। उल्लेखनीय है कि विश्व में आर्थिक मंदी के आहट के भय और यूरोपीय देशों में महंगाई की ऊंची दर होने के कारण देश से रेडीमेड गारमेण्ट निर्यात में कई महीनों से लगातार गिरावट आ रही थी। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार फरवरी में देश से सभी प्रकार के रेडीमेड गारमेण्ट का निर्यात 1,476.34 मिलियन डॉलर का हुआ जो गत वर्ष की इसी अवधि के निर्यात 1,407.68 मिलियन डॉलर की तुलना में 4.88 प्रतिशत अधिक है।

हालांकि फरवरी में निर्यात में कुछ सुधार हुआ है लेकिन कुल मिलाकर चालू वित्त वर्ष के पहले 11 महीनों यानि अप्रैल से फरवरी के बीच देश से रेडीमेड गारमेण्ट का कुल निर्यात 13,059.35 मिलियन डॉलर रहा, जो गत वर्ष की इसी अवधि के निर्यात 14,742.71 मिलियन डॉलर की तुलना में 11.42 प्रतिशत कम है। जानकारों का कहना है कि विश्व के अनेक देशों में आर्थिक सुधार के साथ ही रेडीमेड गारमेण्ट की मांग आनी आरंभ हो गई है। इनका कहना है कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए आगामी महीनों में रेडीमेड गारमेण्ट की मांग में और सुधार होगा। दूसरी ओर, फरवरी के दौरान देश से कॉटन यार्न, फैब्रिक, मेड-अप्स, हैंडलूम आदि का निर्यात 17.07 प्रतिशत उछल कर 1,026.93 मिलियन डॉलर हो गया जो गत वर्ष इसी अवधि में 877.17 मिलियन डॉलर था। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-फरवरी के दौरान इन आइटमों का निर्यात 10,588.91 मिलियन डॉलर रहा जो गत वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 6.70 प्रतिशत अधिक है। गत वर्ष अप्रैल-फरवरी में यह राशि 9,924.13 मिलियन डॉलर थी। फरवरी में मैन-मेड यार्न, फैब्रिक्स, मेड-अप्स आदि का निर्यात भी 8.66 प्रतिशत बढ़कर 431.74 मिलियन डॉलर हो गया। हालांकि फरवरी में मैन-मेड यार्न, फैब्रिक्स, मेड-अप्स आदि के निर्यात में बढ़ोतरी हुई है लेकिन वित्त वर्ष के पहले 11 महीनों में कमी आई है और 4,239.80 मिलियन डॉलर का रहा जो गत वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 5.20 प्रतिशत कम है। गत वर्ष निर्यात 4,472.54 मिलियन डॉलर था।

आयात– इस वर्ष फरवरी में टेक्सटाइल यार्न फैब्रिक, मेड-अप आर्टिकल्स आदि का आयात 185.08 बिलियन डॉलर का रहा जो गत वर्ष की इसी अवधि के आयात 165.81 मिलियन डॉलर की तुलना में 11.62 प्रतिशत अधिक है। बहरहाल, अप्रैल-फरवरी के दौरान कुल आयात 13.05 प्रतिशत गिरकर 2,116.69 मिलियन डॉलर रह गया। गत वर्ष आयात 2,434.30 मिलियन डॉलर का था।

रॉ कॉटन– फरवरी के दौरान रॉ कॉटन और वेस्ट का आयात 31.43 मिलियन डॉलर रहा जो गत वर्ष की इसी अवधि के आयात 34.69 मिलियन डॉलर की तुलना में 9.40 प्रतिशत कम है। अप्रैल-फरवरी के दौरान रॉ कॉटन और वेस्ट का कुल आयात गत वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 60.26 प्रतिशत गिरकर 549.83 मिलियन डॉलर रह गया। गत वर्ष आलोच्य अवधि में आयात 1,383.69 मिलियन डॉलर थी।

सदस्यता फॉर्म

टेक्सटाइल वर्ल्ड SINCE 1998
वस्त्र उद्योग जगत का सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र

मान्यवर,

आपको यह जानकारी देते हुए अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है कि टेक्सटाइल उद्योग जगत का एक मात्र सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' आज दिल्ली, अमृतसर, लुधियाना, रोहतक, मुम्बई, भिवण्डी, नागपुर, अमरावती, पूना, इचलकरंजी, सोलापुर, सूरत, अहमदाबाद, गोरखपुर, आगरा, कोलकाता, ग्वालियर, रायपुर, उज्जैन, इन्दौर, रांची, हैदराबाद, सिकंदराबाद, कोयम्बटूर,बुरहानपुर, बंगलुरू, चैन्नई, सेलम, मालेगांव, इरोड़, बरेली, मुरादाबाद, भीलवाड़ा, जोधपुर, बालोतरा, पाली, जयपुर, उदयपुर सहित पूरे देश में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक सम्पूर्ण टेक्सटाइल क्षेत्र में सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार है और यह सब आप जैसे जागरूक पाठकों के सहयोग से ही संभव हो पाया है।

आपके लिए 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' किस प्रकार उपयोगी है:- क्योंकि यह एक अखबार ही नहीं अपितु एक महत्त्वपूर्ण सूचना प्रदायक दस्तावेज है जिसमें पूरे देश की वस्त्र मण्डियों के समाचारों के साथ-साथ फाइबर से लेकर फैब्रिक, मशीनरी, केमिकल आदि के संबंध में केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा जारी महत्त्वपूर्ण नीतियों का समावेश होता है। यह आप के व्यापार की श्रीसमृद्धि में निश्चित रूप से अभिवृद्धि करने में सहायक सिद्ध होगा।

AXIS BANK
Textile World
Axis bank, Bhilwara
A/c no. 911020040072253
Ifs code - UTIB0000241

कोरियर द्वारा पांच वर्ष की सदस्यता पर ऑल इण्डिया टेक्सटाइल डायरेक्ट्री फ्री

नोट - ऑफर सीमित समय के लिये

वर्ष	ऑफर	प्रतियां	कोरियर द्वारा
☐ 1 वर्ष	---------	24	रू.500
☐ 2 वर्ष	+1 वर्ष की सदस्यता फ्री	72	रू.1000
☐ 5 वर्ष	ऑल इण्डिया टेक्सटाइल डायरेक्ट्री फ्री	120	रू.2500

हाँ, मैं 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' समाचार पत्र की सदस्यता प्राप्त करना चाहता हूँ:-

☐ एक वर्ष ☐ तीन वर्ष ☐ पांच वर्ष

नाम एवं पद ....

कम्पनी/फर्म का नाम : ....

पता : ....

....पिन कोड नं. ....

मोबाइल नं..फोन नं..

कैटेगरी

☐ निर्माता ☐ प्रोसेसर ☐ स्पिनर ☐ निर्यातक ☐ आयातक
☐ एजेण्ट ☐ डीलर ☐ होलसेलर ☐ रिटेलर ☐ डिजाइनर
☐ कंसल्टेंट ☐ इंस्टीट्यूट ☐ अन्य ....

डीलिंग

☐ सूटिंग ☐ शर्टिंग ☐ साड़ी ☐ ड्रेस मटीरियल ☐ रेडिमेड गारमेण्ट
☐ होजयरी ☐ मशीनरी ☐ केमिकल ☐ यार्न ☐ पैकेजिंग मटीरियल
☐ होम फर्निशिंग ☐ अन्य ....

सदस्यता हेतु चैक/ड्राफ्ट नं. .... दिनांक .... रु. .... 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' के नाम से प्रेषित है।

विशेष- यदि आप पत्रकार के रूप में आपके यहां के टेक्सटाइल मार्केट की न्यूज भी हमें भेजना चाहते हैं तो कृपया 9468835188 पर whatsapp सम्पर्क कर अपना रजिस्ट्रेशन अवश्य करालें।

417, 4th FLOOR, COMMERCIAL MALL, GOVINDAM, OLD RTO ROAD, BHILWARA-311001
Tel: 01482-237165 | E-mail: textileworldtw@gmail.com | Web: www.textileworld.org

पृष्ठ 1 का शेषांश

सिन्थेटिक निटेड फैब्रिक के एमआईपी....

श्री गर्ग का कहना है कि उनकी एसोसिएशन कम भाव पर आयात किए जाने वाले फैब्रिक के मामले पर विभिन्न मंत्रालयों से गत एक वर्ष से लगातार बातचीत कर रही थी। उनका कहना है कि सरकार द्वारा न्यूनतम आयात मूल्य के निर्धारण के बाद सिन्थेटिक निटेड फैब्रिक के आयात पर अंकुश लगेगा और इससे घरेलू उद्योग, जो गत कई वर्षों से सस्ते आयात से परेशान था,को राहत मिलेगी। श्री गर्ग के अनुसार सिंथेटिक निटेड फैब्रिक के आयात के लिए न्यूनतम आयात मूल्य तय करना घरेलू मैन मेड फाईबर उद्योग के हितों की रक्षा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे सभी हितधारकों को समान अवसर प्राप्त होंगे जिससे टेक्सटाइल उद्योग का विकास होगा। सस्ते आयात के कारण सिन्थेटिक फैब्रिक उद्योग अपनी क्षमता का पूरा उपयोग नहीं कर पा रहा है। जानकारों का कहना है कि उद्योग अपनी क्षमता का केवल 70 प्रतिशत उपयोग ही कर रहा है। अब क्षमता का अधिक उपयोग करने के बाद उनका उत्पादन बढ़ेगा और लागत कम होगी। इससे वे विश्व बाजार में अन्य देशों के साथ किसी सीमा में प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। उद्योग से जुड़े सूत्रों का कहना है कि भले यह केवल 6 महीने के लिए है लेकिन इस अवधि में भी वे काफी राहत अनुभव करेंगे।

पृष्ठ 14 का शेषांश

नए निवेश और कौशल के सम्मिश्रण से 2030 तक 40 बिलियन....

उल्लेखनीय है कि एटीडीसी का नौकरी उन्मुख डिग्री कोर्स चला रहा है। यहां से पास होने वाले छात्रों को पहले से ही विभिन्न शीर्ष परिधान विनिर्माण और निर्यात कारखानों में मर्चेंडाइजर, डिजाइनर, प्रॉडक्शन मैनेजर, क्वालिटी इंश्योरेंस, प्रॉडक्शन एक्जीक्यूटिव आदि पदों पर कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर एईपीसी के अध्यक्ष श्री सुधीर सेखरी ने एटीडीसी के उन छात्रों की सराहना की, जिन्होंने वर्ष 2022 में अपना बैचलर ऑफ वोकेशन कोर्स पूरा किया है और परिधान इकाइयों में विभिन्न क्षमताओं में काम कर रहे हैं। उनका कहना है कि एटीडीसी के लगभग 10 प्रतिशत कोर्स पास करने पर अपना स्वयं का कारोबार आरंभ करते हैं जबकि 8 प्रतिशत छात्र आगे की पढ़ाई करते हैं और शेष 82 प्रतिशत छात्र उद्योग में रोजगार पाते हैं।

Postal Registration No BHILWARA/208/2024-2026
RNI Registration No. 71772/98

नए निवेश और कौशल के सम्मिश्रण से 2030 तक 40 बिलियन डॉलर का परिधान निर्यात लक्ष्य संभव -श्री रोहित कंसल

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

देश से 2030 तक रेडीमेड गारमेंट निर्यात का 40 बिलियन डॉलर का निर्यात लक्ष्य प्राप्त करना संभव है। यह कहना है कपड़ा मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव श्री रोहित कंसल का। एपेरल ट्रेनिंग एंड डिजाइन (एटीडीसी) के 33वें स्थापना दिवस पर आयोजित छात्रों के डिग्री वितरण समारोह में बोलते हुए श्री कंसल ने कहा कि आज साफ्ट स्किल भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी टेक्नीकल और यह खुशी की बात है यह सेंटर इन कार्यक्रमों पर पर ही ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने कहा कि अक्सर बेरोजगारी की बात की जाती है और शिक्षित होने के बावजूद रोजगार नहीं मिल पाता है क्योंकि नौकरी चाहने वालों की स्किल (कौशल) उद्योग की आवश्यकता के अनुरुप नहीं होती है। यह कौशल अंतर कहलाता है। श्री कंसल ने कहा 'उद्योग की आवश्यकताओं पर प्रशिक्षण देकर इस अंतर को पाटने के लिए एईपीसी और एटीडीसी को बधाई देता हूँ। यह एक बहुत ही सुखद संगम है जहां उद्योग जगत खुद कौशल प्रदान कर अपनी जरूरत के लिए प्रशिक्षण दे रहा है।' उन्होंने कपड़ा निर्यात पर टिप्पणी करते हुए कहा कि विश्व का कुल कपड़ा बाजार एक ट्रिलियन डॉलर का है और जब हमारा कपड़ा निर्यात 100 अरब डालर तक पहुंच जाएग तो भी कुल वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी केवल 10 प्रतिशत ही होगी। उन्होंने कहा कि रेडीमेड गारमेंट निर्यात का 40 बिलियन डॉलर प्राप्त किया जा सकता है और इसे प्राप्त करने के लिए नए निवेश, मशीनरी और कौशल पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

शेषांश पृष्ठ 13 पर...

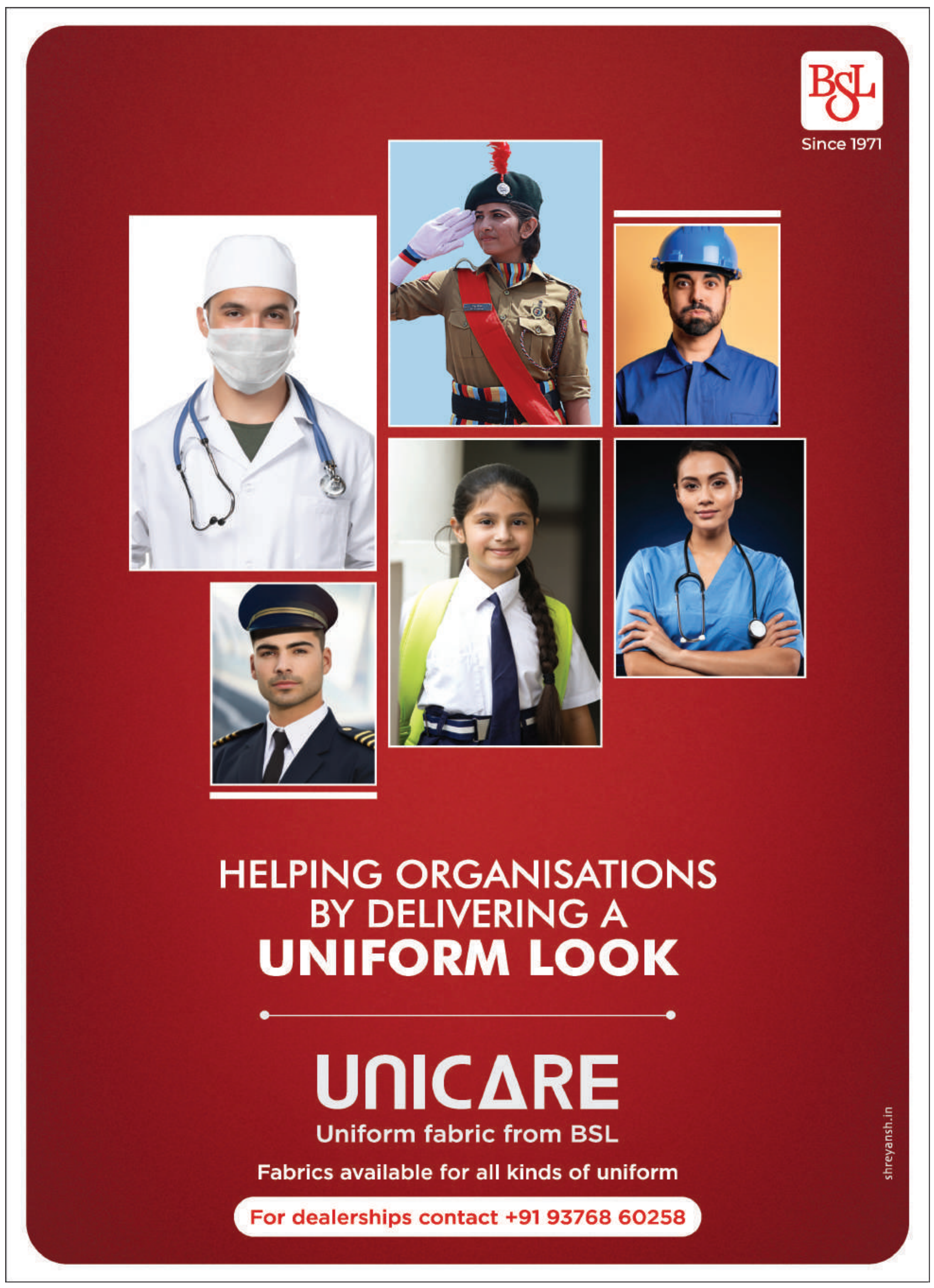

स्वत्वाधिकारी एसएसएस मीडिया पब्लिकेशन्स (प्रा.) लि. की तरफ से मुद्रक एवं प्रकाशक योगेन्द्र शर्मा के लिए वी.के. प्रिण्टर्स, बी-36-ए, सुदर्शन पुरा, इण्डस्ट्रियल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित एवं सी-127, आर.के. कॉलोनी, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। **संपादक-योगेन्द्र शर्मा।**

CHOOSE FROM OUR EXCLUSIVE SHIRTING, SUITING & GIFTING FABRICS
Cotton | Hemp | Bamboo | Linen | Lyocell | Gini Whites | Khushboo | Aqua | Glacier | Ever Fresh
+ 912240750601
sales@ginitex.com (Domestic)
umesh@ginitex.com (International)
GINI TEX PRIVATE LIMITED:
413, Tantia Jogani ind Premises,
Sitaram Mill Compound, Near Lodha Group,
N.M Joshi Marg, Lower parel (E),Mumbai 400011.
/ginifabricsofficial/
/ginifabricsofficial
/company/ginifabrics/
linkedin facebook instagram
FOR TRADE ENQUIRIES
Sudhir Agencies (India) 6th Ganesh Wadi, 4th Floor, Mumbai - 400 002. Sudhir Bachhawat - 9819343909,
Jitender Bachhawat - 9930031999, Rajendra Malpani - 9819977707, Neeraj Vaid - 9322245369.

SANGAM (INDIA) LTD. Atun,
Chittorgarh Road, BHILWARA - 311001 (Raj.) India
E-mail : coordinationsales@sangamgroup.com, Visit us at www.sangamgroup.com, Phone: +91-1482-245500

RISHAB WORLD
Finest Fashion Fabrics
D&J
www.donandjulio.com
DonandJulio
Don & Julio
Call at +91 93219 14004 or email at crm@rishabworld.com

Siyaram's के होलसेल डिस्ट्रीब्यूटर सी.राम टेक्सटाइल्स एजेंसी के नवनिर्मित शोरूम 'सियाराम्स हाउस' के शुभारम्भ पर भव्य समारोह आयोजित

जालंधर/ टेक्सटाइल इण्डस्ट्री की दिग्गज और प्रतिष्ठित में शुमार कंपनी ''सियाराम सिल्क मिल्स लि.'' के स्थानीय डिस्ट्रीब्यूटर सी.राम टेक्सटाइल्स एजेंसी द्वारा विगत दिनों ''सियाराम्स हाउस'' नामक नवनिर्मित भव्य शोरूम का शुभारम्भ किया गया। इस उपलक्ष में एक भव्य समारोह आयोजित हुआ, जिसमें सियाराम सिल्क मिल्स के सी.एम.डी श्री रमेश पोद्दार ने बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर 'सियाराम्स हाउस' का रिबन काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान श्री पोद्दार की पत्नी श्रीमति आशा देवी पोद्दार, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री गौरव पोद्दार, प्रेसीडेण्ट मार्केटिंग श्री अशोक टोरका, वाइस प्रेसीडेण्ट श्री नरेश वाधवा, जी.एम. मार्केटिंग श्री विश्वजीत झा तथा पंजाब राज्य के एजेंट जय टेक्सटाइल से श्री गौरव मल्होत्रा एवं श्री जतिंदर मेहरा विशेष अतिथियों के रूप में उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में पहुँचे सभी मेहमानों का सी.राम टेक्सटाइल्स एजेंसी के एम. डी. श्री विनोद सोनी, श्री रितेश सोनी, श्री अभिषेक सोनी एवं श्री आर्यन सोनी ने गर्मजोशी से स्वागत किया। उद्घाटन सेरेमनी के दौरान श्री रमेश पोद्दार ने बधाई देते हुए उपस्थित रिटेलर्स से बातचीत की एवं आगामी सीजन पर चर्चा करते हुए सभी को मोटिवेट भी किया।

श्री विनोद सोनी एवं उनके सुपुत्र श्री रितेश सोनी एवं श्री अभिषेक सोनी ने बताया कि वे सियाराम्स के साथ वर्षों से जुड़े हुए हैं एक छोटी-सी दुकान से लेकर आज इस 20000 स्क्वायर फीट के शोरूम तक का सफर बहुत ही लाजवाब रहा। इस दौरान पंजाब एवं हिमाचल प्रदेश राज्यों से लगभग 300 से 400 रिटेलर्स ने भाग लिया। श्री सोनी ने बताया कि इस चार मंजिला शोरूम पर फैशन पसंद हर आयु वर्ग के उपभोक्ताओं के लिए एक छत के नीचे सियाराम्स सूटिंग-शर्टिंग के सभी ब्राण्ड जैसे मारकोनी, रोजेटी, जे. हेंपस्टेट, मिस्टीयर, मिनिएचर, विक्ट्री, स्प्रिट, इविटा बंबू शर्टिंग, रॉयल लिनन, एथेनीयर ब्राण्ड की विस्तृत रेंज की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।

देश-दुनिया के करोड़ों ग्राहकों के अटूट विश्वास का प्रतीक है सियाराम्स -श्री रमेश पोद्दार

सियाराम सिल्क मिल्स के सी.एम.डी. श्री रमेश पोद्दार ने बातचीत के दौरान कहा कि उन्हें बेहद खुशी एवं गर्व महसूस हो रहा है कि देशभर में उनकी कंपनी अपने डिस्ट्रीब्यूटर्स एवं रिटेल आउटलेट्स की लम्बी चेन के माध्यम से ग्राहकों को उनकी पसंदीदा वैरायटी का कपड़ा उपलब्ध करा रही है। श्री पोद्दार ने बताया कि उनकी कंपनी भारत ही नहीं बल्कि अमेरिका, यू.के., यूरोप, मिडिल ईस्ट आदि देशों में भी एक्सपोर्ट करती है। ये सब सियाराम्स के प्रति ग्राहकों के अटूट विश्वास का ही परिणाम है।

पंजाब राज्य में सियाराम्स के अग्रणी होलसेल डिस्ट्रीब्यूटर

सी. राम टेक्सटाइल्स एजेंसी

सियाराम सिल्क मिल्स लि. के अधिकृत होलसेल डिस्ट्रिब्यूटर सी. राम टेक्सटाइल्स एजेंसी द्वारा लंबे अर्से से मशहूर मेंस वियर फैब्रिक ब्राण्ड 'सियाराम्स' बड़े पैमाने पर काम किया जा रहा है। श्री विनोद सोनी एवं श्री रितेश सोनी ने चर्चा के दौरान बताया कि उनके संस्थान पर 'सियाराम्स' ब्राण्ड की कम्पलीट फैब्रिक रेंज रखी जाती है। सीजन के समय व्यापारियों के लिए बिजनेस मीट का आयोजन भी किया जाता है।

उन्होंने कहा कि सियाराम्स फैशन से संबधित समस्त परिधानों के लिए एक कंप्लीट ब्राण्ड है जिसमें फॉर्मल, कैजुअल, एथनिक सभी तरह के परिधानों के लिए व्यापक फैब्रिक रेंज ऑफर की जाती है। नव निर्मित शोरूम पर हम अपने ग्राहकों को नए अनुभव एवं बेहतर सेवाओं के साथ वाजिब दरों में फैशन फैब्रिक्स सप्लाई के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि संस्थान द्वारा पंजाब एवं हिमाचल प्रदेश राज्यों के टॉप रिटेलर्स को कपड़े की आपूर्ति की जा रही है।

C. RAM TEXTILES AGENCY
#14-15, Puda Sports Enclave , Near Basti Adda
Opp Fire Brigade , Jalandhar, Mobile : 98153 05959

गारमेंट में कारोबार धारणा के विपरीत लेकिन समर सीजन से अच्छी उम्मीद

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

स्थानीय स्तर पर गारमेंट में कारोबार धारणा के विपरीत है। आमतौर पर फरवरी एवं मार्च महीने में कारोबार थोड़ा मंदा रहता है, लेकिन अप्रैल से कारोबार बढ़ा करता है। परंतु इस वर्ष एमएसएमई को एक निर्धारित समय में भुगतान करने के नये नियम और अब देशभर में लोकसभा के चुनाव का बिगुल बज जाने के बाद अप्रैल तथा मई महीने में भी कारोबार कम रह सकता है। चुनाव की घोषणा के साथ आचार संहिता लग जाने के कारण नकदी कारोबार संभव नहीं होगा, क्योंकि देशभर में पुलिस बंदोबस्त तगड़ा कर दिया जाता है। तथापि स्कूल यूनिफॉर्म और समर सीजन के माल में इस दौरान कारोबार होने की संभावना बनी हुई है। गारमेंट और कपड़ों की बिक्री बढ़ने के बदले घटी है। कारोबार आधा हो गया है। उत्पादन इकाइयों में स्टॉक बढ़ने लगा है।

कारोबारियों के पास नये ऑर्डर कम हो गए है। फिर भी समर सीजन के आइटमों में देसावरों की मांग थोड़ी बढ़ी है। रेडीमेड में कारोबार हाल मध्यम दर्जे का है। जेंट्स, लेडीज और चिल्ड्रन वियर में भी मंदा है। मार्च एण्डिंग और धन संकट के कारण स्थानीय स्तर पर कारोबार कम हो गया है। परंतु जैसे ही मार्च एण्डिंग समाप्त होता है, वैसे ही समर और स्कूल यूनिफॉर्म की ग्राहकी में सुधार होने की आशा से गारमेंट उत्पादकों ने उत्पादन में कोई कटौती नहीं की है। रिटेलरों की ओर अभी समर की मांग जरूर कुछ कम है।

निर्यात पहले से ही मंदा है। चालू वित्त वर्ष के 10 महीनों में भारतीय गारमेंट का निर्यात मूल्य की दृष्टि से घटा है। परंतु जनवरी में निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि होने के बावजूद वार्षिक तुलना में इसमें गिरावट आई है। क्योंकि लाल समुद्री मार्ग संकट के कारण रूका शिपमेंट जनवरी में अफ्रीका में केप ऑफ गुड होप के आस-पास का एक लंबा रास्ता तय कर देरी से पहुँचा है। क्लोदिंग मैन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अधिकृत सूत्रों का कहना है कि इस संकट ने वस्तुओं को महंगा बना दिया है और इसका प्रभाव सभी पर पड़ रहा है। भारत भी इससे बच नहीं सकता है, इसलिए वैश्विक व्यापार अधिक महंगा हो गया है।

भारत, बांग्लादेश और चीन सभी के निर्यात पर इस संकट की छाया पड़ी है। यूरोपियन देशों मुख्यतया डेनमार्क, जर्मनी, नीदरलैंड, इटली और पोलैंड भारतीय तैयार वस्त्रों अर्थात आरएमजी के मुख्य आयातक रहे हैं। इन राष्ट्रों की भारत से एपेरल की खरीदी में मासिक स्तर पर 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है, जो जनवरी में 4.30 अरब डॉलर पहुंच गया था। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा स्थापित संस्था इंडियन ब्रांड इक्विटी फाउण्डेशन के अनुसार भारत का टेक्सटाइल और एपेरल मार्केट वर्ष 2022 के 172.3 अरब डॉलर से 14.59 प्रतिशत की वार्षिक चक्रवृद्धि दर से बढ़त के साथ 2028 तक 387.3 अरब डॉलर तक पहुंचने की आगाही है।

कॉटन यार्न के भाव आठ से दस रुपए प्रति किलो तक बढ़े

मुंबई/ यार्न मार्केट बहुत मजबूत है। कॉटन यार्न के भाव प्रति किलो आठ से दस रू तक बढ़े है, लेकिन यार्न की मांग अधिक नहीं बढ़ी है। पिछले 15 दिनों

में रूई विशेष संकर 6 के भाव में 10 से 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने के बाद से यार्न बनाने वाली मिलों की मार्जिन पर दबाव बना है। संकर रूई की कीमत जो पहले 55000 रू. के करीब थी, बढ़कर प्रति खंडी 62 हजार रू. पहुँच गई है। रूई के बढ़ते भाव को देखते हुए साउथ की स्पिनिंग मिलें बहुत अधिक चिंतित और सतर्क हो गई है। देश में कॉटन यार्न की विविध किस्म के यार्न का सबसे अधिक उत्पादन और वितरण करने में साउथ की स्पिनिंग मिलों की एक महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। रूई के भाव बढ़ने से मिलें सजग हो गई है। वीविंग उद्योग में इस समय मजदूरों का संकट है। रमजान का महीना शुरू होने से मुस्लिम कारीगरों की कमी के कारण लूमों पर उत्पादन आधे से अधिक घट गया है। कपड़ों का उत्पादन घटने के कारण यार्न की मांग कम हो गई है। बाजारों में यार्न की आपूर्ति अभी सहज है और स्पिनिंग मिलें अच्छी क्षमता के साथ यार्न का उत्पादन कर रही है। ऐसे में कॉटन यार्न की किसी भी वैरायटी में अभाव की कोई समस्या नहीं है। परंतु जिस तरह से रूई के भाव में एकाएक भारी उछाल आया है और इसे देखते हुए साउथ की मिलों को रूई की घबराहट वाली खरीदी करने से टालने की अपील की गई है। संभवतः आगे चलकर मिलों में यार्न का उत्पादन फिर से सीमित करने की पद्धति अपनाई जा सकती है। रूई के भाव में तेजी रही तो कॉटन यार्न बनाने वाली छोटी इकाइयों की मुश्किलें बढ़ सकती है। कॉटन यार्न की लागत बढ़ने पर मिलें यार्न का भाव बढ़ा सकती है। सिंथेटिक यार्न में मांग बहुत अच्छी नहीं है, लेकिन भाव बढ़ने की आशंका दिखाई दे रही है। यद्यपि आगे सीजन सूती कपड़ों का होने से कॉटन यार्न की मांग अधिक रहने वाली है, लेकिन पीवी और पीसी जैसे ब्लैंडेड यार्न के भाव पर इसका सीधा असर हो सकता है। हाल ही वीवर्स यार्न की खरीदी में चौकन्नें हो गए हैं। साउथ की मिलों को लगता है कि रूई के भाव में यदि इसी तरह की तेजी आगे भी जारी रहती है, तो कॉटन यार्न की लागत बढ़ जाएगी और बढ़े भाव को अभी बाजार हजम करने की स्थिति में नहीं है।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर साड़ी वॉकथॉन में इन्दौर ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

इन्दौर/ वन भारत अभियान के तहत **"आत्मनिर्भर नारी, गर्व से पहने साड़ी"** के ध्येय को लेकर इन्दौर में अनूठा आयोजन हुआ। हजारों की संख्या में महिलाओं ने परम्परागत वेशभूषा साड़ी पहनकर वॉकथॉन कार्यक्रम में भाग लिया और वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। साड़ी वॉकथॉन कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी पहुंचे थे, उन्होंने भारतीय परिधान साड़ी को स्त्रीत्व की गरिमा और आत्मविश्वास का प्रतीक बताया। 7 मार्च को इन्दौर के नेहरू स्टेडियम में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर परम्परागत परिधान साड़ी को बढ़ावा देने के लिए 20 हजार से अधिक महिलाओं ने अलग-अलग साड़िया पहनकर वॉकथॉन में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, विकास आयुक्त हाथ करघा, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्रालय-मध्यप्रदेश सरकार, मध्यप्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग, भोपाल ने किया था। कार्यक्रम में केन्द्रीय कपड़ा राज्यमंत्री श्रीमति दर्शना बेन जरदोश एवं मध्यप्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री श्री दिलीप जायसवाल भी उपस्थित रहे। संचालन कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने किया। पूर्व में इस तरह के साड़ी वॉकथॉन कार्यक्रम पूना एवं सूरत में आयोजित हो चुके है।

रिपोर्ट -प्रहलाद गर्ग / सूरत ब्यूरोचीफ

TESSITURA MONTI
INDIA

TESSITURA MONTI INDIA PVT. LTD.

Mills:
Gat No. 147, Village Tamgaon, Post - Sangavde, Tal. Karveer,
Kolhapur - Hupari Road, Dist. Kolhapur - 416202. Maharastra.
INDIA. Tel. No : +91 231 2682900 Email : info@monti.co.in

Corporate Office :
77, Jodh Towers, 4th Floor, Lalbagh Road, Bengaluru - 560027,
INDIA. Tel. No : +91 80 40500288
Email : office@monti.co.in Website : www.monti.co.in

Tessitura Monti India Pvt.Ltd. BORN IN ITALY 1911

Auth. Distributors : Maharashtra & Gujarat - M/s Decott Fashions , Mumbai · Kerala - M/s Mohan Collection , Bengaluru · TamilNadu - M/s Bajrang Clothing, Chennai
Karnataka & Goa - M/s Popular Enterprises, Bengaluru · Karnataka, Goa, AP & Telangana - M/s Modern Impex, Bengaluru
Delhi NCR, UP, Punjab, Haryana, J&K, Rajasthan - M/s Worldwide Fashions (RI), Delhi · AP & Telangana - M/s SHA Hirachand Jawanmal & Co.(SHJ),Hyderabad

For Distributorship Enquiry in West Bengal, Bihar, Jharkhand, MP & CG : +91 97028 39191

सूरत के Apple ग्रुप की कम्पनी Saree Mall को Myntra ने मर्सिडीज बेंज कार उपहार में भेंट की

सूरत/ वूमेंस वियर क्षेत्र की दिग्गज निर्माता कंपनी एप्पल लाइफस्टाइल इण्डस्ट्रीज ग्रुप सूरत की कम्पनी Saree Mall ने अपनी व्यावसायिक यात्रा में एक अद्वितीय मील का पथ पाया है। हाल ही Saree Mall को इसकी महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों के लिए प्रतिष्ठित ई-कॉमर्स कम्पनी **Myntra** ने लग्जरी कार मर्सिडीज बेंज पुरस्कार स्वरूप देकर सम्मानित किया गया है। Saree Mall की प्रबंधन टीम ने कहा कि यह पुरस्कार हमारी टीम के प्रत्येक सदस्य को एक आत्म समर्पित और एकता का अत्यधिक भाव प्रदान करता है। यह सम्मान सिर्फ पहचान का एक संकेत नहीं है बल्कि यह हमारी कम्पनी की संयुक्त आकांक्षाओं का परिणाम है, हर एक व्यक्ति द्वारा प्रदर्शित अड़चन रहित अथक समर्पण और सूक्ष्म अभिव्यक्ति का भाव प्रकट करता है। आज हम इस महान उपलब्धि का उत्सव मना रहे हैं, इसमें हमारी असीम सफलता के लिए प्रोत्साहित करने वाली गहन प्रेरणा को स्वीकार करना महत्वपूर्ण है। हर देर रात और हर सवेरे के पीछे अड़चन रहित दृष्टिगत कंपनीज के डायरेक्टर्स श्री अंबरीश मियानी और श्री दीपक शेटा खड़े थे, जिनके नेतृत्व, प्रेम और समर्पण भाव ने हमें इस विजय की ओर आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया हैं। उनकी दूरदृष्टि हमारा पग-पग पर मार्ग प्रशस्त करती रही है वहीं उनकी प्रेरणा एवं समर्पण हमारी सफलता की नींव बना। यह उनकी संयुक्त क्षमता में हमारी अविचल संभावनाओं में विजयी तरीके से जाने जाने की एक अद्भुत अनुभूति है। आज जब हम अपनी सफलता की शान में खुशीयां मना रहे हैं, तो हमें सिर्फ इस महान अवसर का उत्सव मनाने के साथ-साथ उत्कृष्टता के प्रति हमारे समर्पण भाव को जीवंत बनाए रखना है। आइए जिस अद्भुत यात्रा में हमने यहां तक का सफर तय किया है, उससे प्रेरित होकर हमारी महानता की जारी खोज को नवीनतम करने के वचन के साथ। हमने संयुक्त उत्साह, एकता और निर्धारण के साथ हमारी यात्रा को एक अलग ही मुकाम पर ले जाने का संकल्प लिया है।

Myntra ने हर सूरतवासी का सम्मान किया है -श्री दीपक शेटा

मेरे पार्टनर श्री अंबरीश मियानी और मैं दीपक शेटा, सूरत से ऑनलाइन ई-कॉमर्स में साड़ी और गारमेंट बिक्री का काम कर रहे हैं। हमें **Myntra** पर दिवाली बिक्री में शानदार प्रदर्शन के लिए एक बढ़िया प्रमाण मिला है, जिसका श्रेय सूरत के सभी आपूर्तिकर्ताओं, एजेंटों और जनता के साथ हमारे साथियों के समर्थन को जाता है। **Myntra** कंपनी ने हमें मर्सिडीज बेंज कार का उपहार देकर हमें सम्मानित किया है, जो वास्तव में हमारा नहीं, बल्कि पूरे भारत में हमें इस गर्व के लिए चुना गया है। यह हमें समर्थन देने वाले हर सूरतवासी का सम्मान है।

वूमेंस फैशन इंडस्ट्री में जानी-मानी कम्पनी...एप्पल लाइफस्टाइल इण्डस्ट्रीज लि.

वूमेंस फैशन क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर मशहूर कम्पनी है। प्रीमियम साड़ीज एवं वूमेंस एथनिक वियर्स में वाइडेस्ट रेंज बनाने वाली यह कम्पनी वूमेंस फैशन इंडस्ट्री में अग्रणी उत्पादक के रूप में पहचान रखती है। कंपनी Apple ब्रांडनेम से फैंसी डिजाइनर साड़ीज में आकर्षक कलेक्शन के लिए जानी जाती है। वूमेंस वियर के लिए प्रीमियम लेडीज सूट, कुर्तीज एवं एथनिक परिधानों में अद्वितीय रेंज इसकी टेक्सटाइल मार्केट खास इमेज को बयां करती है। इसी तरह ग्रुप की कम्पनी SAREE MALL ने अपनी अद्वितीय वूमेंस वियर्स उत्पाद रेंज से कई उल्लेखनीय मुकाम हासिल किए है, जिसमें से एक उपलब्धि हाल ही **Myntra** द्वारा मर्सिडीज बेंज उपहार स्वरूप देकर पुरुस्कृत किया जाना है।

Apple™ Willing to give you the best

FOSTTA के नये सेवा कार्यालय के उद्घाटन पर भव्य समारोह आयोजित

सूरत/ सत्यप्रकाश...विगत 15 मार्च 2024 को फेडरेशन ऑफ सूरत ट्रेड एंड टेक्सटाइल के नए सेवा कार्यालय का मिलेनियम टेक्सटाइल मार्केट के प्रांगण में उद्घाटन समारोह रखा गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में आदरणीय सीआर पाटिल साहब, प्रदेश अध्यक्ष भाजपा गुजरात राज्य एवं सांसद नवसारी लोकसभा उपस्थित रहे।

FOSTTA पिछले 40 वर्षों से निरंतर व्यापार के हितों में कार्य करती आ रही है एवं सदैव व्यापारियों के लिए कार्य करने के लिए तत्पर रही है। FOSTTA के सेवा कार्यालय का उद्घाटन आदरणीय सीआर पाटिल साहब के कर-कमलों से हुआ। आदरणीय पाटिल साहब ने रिबन काटकर FOSTTA के सेवा कार्यालय का उद्घाटन किया। आदरणीय पाटिल साहब ने कहा की यह सूरत कपड़ा मार्केट के लिए एक नए सूरज का उदय हुआ है। उन्होंने कहा की भविष्य में अध्यक्ष श्री कैलाश हाकिम के नेतृत्व में FOSTTA व्यापारियों के हितों में कई मुकाम हासिल करेगी। अध्यक्ष श्री ने कहा की FOSTTA के सभी डायरेक्टर निरंतर व्यापार हित में कार्य कर रहे हैं एवं व्यापार को आगे बढ़ाने एवं चीटिंग को रोकने के लिए प्रयास कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने व्यापारियों से भी आग्रह किया है कि वे FOSTTA से जुड़कर अपने सुझाव से व्यापार को आगे बढ़ाने की बात कही।FOSTTA द्वारा प्रायोजित श्री राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव 22 जनवरी 2024 में सभी कपड़ा मार्केट द्वारा बहुत ही सुंदर तरीके से मनाया था। जिसमें फोस्टा ने पुरस्कार देने का घोषित किया था। जिसके अंतर्गत आज कपड़ा मार्केट में विभिन्न संगठनों द्वारा सर्वे कर पुरस्कार घोषित किया गया। जिसमे एकल मार्केट, समूह मार्केट, कर्मयोद्धा पुरस्कार एवं विशेष पुरस्कार के रूप में पुरस्कृत किया गया।

उद्घाटन समारोह में सुबह से शाम तक व्यापारियों का ताता लगा रहा, जिसमे करीबन 10000 से ज्यादा व्यापारी बंधुओ ने Fostta के नए सेवा कार्यालय उद्घाटन के कार्यक्रम में शामिल हुए, जिसमें लक्ष्मीपति ग्रुप के चैयरमेन श्री संजय सरावगी, विशाल प्रिण्ट्स प्रा.लि. के डायरेक्टर श्री दिपेश शाह (गट्टू भाई), मस्कती महाजन-अहमदाबाद के प्रेसिडेंट श्री गौरांग भगत सहित संपूर्ण कपड़ा व्यापार के अग्रणी व्यापारी, विभिन्न संस्थाओं के अग्रणी, सेवा भावी संस्थाओं के अग्रणी, विभिन्न समाज के अग्रणी उपस्थित रहे।

इचलकरंजी के उद्यमियों ने तैयार किया भारतीय जेकार्ड यंत्र

कोल्हापुर/ राहुल खाड़े

चाहे कढ़ाई वाला बॉर्डर हो या तैयार कपड़े पर निर्माता कंपनियों के नाम, यह सिलाई कपड़ा उद्योग में 'जेकार्ड' मशीन द्वारा की जाती है। इचलकरंजी के एक इंजीनियर और उद्यमी समीर नाइक ने अब तक विदेशों में बनने वाली इन मशीनों पर शोध किया है और पहली ऐसी 'जैकार्ड' मशीन बनाई है जो पूरी तरह से भारत में बनी है। इस मशीन की कीमत विदेशी मशीन की तुलना में कम है लेकिन 'आत्मनिर्भर भारत' का यह उत्पाद वैश्विक स्तर पर गुणवत्ता में भी बेहतर है। इस वजह से नाइकी द्वारा बनाए गए इस 'जेकार्ड' को इस वक्त देशभर से भारी डिमांड मिल रही है।

चाहे वह एक साधारण पावरलूम हो या शटललेस उस पर पड़ा बुना जाता था। हालाँकि, इसके साथ ही कपड़े पर कढ़ाई भी वांछित है। प्रतिष्ठित कंपनियाँ भी अपने कपड़ा उत्पादों पर अपना नाम (ब्रांड नाम) दर्ज कराना चाहती हैं। जिस मशीन के माध्यम से यह कार्य किया जाता है उसे तकनीकी भाषा में 'जेकार्ड' कहा जाता है।

'जेकार्ड' के उत्पादन में इटली की कंपनियों का वर्चस्व है। इस देश में एकाधिकार होने और इनकी कीमत 40 से 45 लाख रुपये होने के कारण आम पावरलूमधारक जेकार्ड खरीदने के चक्कर में नहीं पड़ते। इसके चलते कपड़ा उद्योग में इस काम के लिए किसी दूसरे पर निर्भर रहना पड़ता है। इन सबको ध्यान में रखते हुए उद्यमी नाइक ने इस 'जेकार्ड' पर अध्ययन और शोध कर इसका उत्पादन किया, लेकिन इस सफलता को हासिल करते-करते पूरी तरह से भारतीय निर्मित इस मशीन की उत्पादन लागत भी कम हो गई है, इसलिए अब इसकी बिक्री कीमत भी कम हो गई है।

समीर नाइक इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर घर में कपड़ा उद्योग है। लेकिन यह व्यवसाय और शिक्षा ग्रहण करते समय उनकी नजर 'जेकार्ड' की समस्या पर पड़ी। उन्होंने न केवल शटललेस बल्कि सरल मार्गों पर भी जेकार्ड को कैसे स्थापित किया जाए, इस पर शोध शुरू किया। आगे कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, कम्प्यूटर आदि शाखाओं का ज्ञान प्राप्त करने के बाद उन्होंने इस शोध में एक बड़ी छलांग लगाई और जल्द ही 'जेकार्ड' का एक बिल्कुल नया भारतीय संस्करण तैयार किया। उन्होंने अध्ययन, अनुसंधान और उत्पादन के हर चरण में सफलता हासिल की। इस उत्पाद की गुणवत्ता भी विदेशी मशीनों जैसी ही साबित हुई।

इस सारी सफलता के बाद, नाईक ने उत्पाद को 'सिल्वर जेकार्ड' के नाम से पंजीकृत किया है और दो साल से इसका निर्माण शुरू कर दिया है। जिस विदेशी उत्पाद की कीमत 40 से 45 लाख रुपये होती थी, वही स्टाइल 'सिल्वर जेकार्ड' अब सिर्फ 40 हजार से 12 लाख रुपये में उपलब्ध है।

केंद्रीय कपड़ा सचिव प्राजक्ता वर्मा लवंगारे ने समीर की जेकार्ड फैक्ट्री का दौरा किया। इस बार वह वहां के उत्पादों की विविधता से प्रभावित हुईं। पूर्व कपड़ा मंत्री श्री प्रकाश आवाड़े भी उस समय आश्चर्यचकित रह गए जब नाईक ने अपनी छवि वाला कपड़ा भेंट किया। उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जब यह उत्पाद लॉन्च हुआ तो उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ।

समीर की 'जेकार्ड' साड़ी, शॉल, शर्टिंग, सूटिंग, बेडशीट, चादर आदि पर कढ़ाई की जाती है। उन्होंने अपने उत्पाद में एक नई तकनीक जोड़ी है। कितनी साड़ी, कपड़ा बुना गया है और कितना बचा है, इसकी जानकारी इससे जुड़े 'मोबाइल ऐप' में उपलब्ध होने से करघा मालिक कहीं से भी उत्पादन का सटीक अनुमान प्राप्त कर सकते हैं। दिलचस्प बात यह है कि यह सुविधा विदेशी जेकार्ड में भी उपलब्ध नहीं है। छवियाँ आजकल कपड़ों पर देखी जाती हैं लेकिन वे मुद्रित होती हैं। समीर के 'जेकार्ड' पर निर्मित छवियों का अधिक कलात्मक और व्यावसायिक महत्व है क्योंकि वे बुनाई प्रक्रिया के दौरान बनाई गई है।

फैबेक्सा एग्जीबिशन इस बार अहमदाबाद में होगी आयोजित

21 से 24 मई तक 150 से अधिक गारमेण्ट फैब्रिक एवं एसेसरीज निर्माता करेंगे एक ही छत के नीचे भव्य डिस्प्ले

अहमदाबाद/ सत्यप्रकाश

कपड़ा व्यवसायियों के प्रमुख संगठन 'मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन' अपने 118 वर्षों के समृद्ध इतिहास में एक पन्ना और जोड़ने जा रहा है। संगठन द्वारा अपनी शाखा 'फैबेक्सा' के बैनर तले इस बार अहमदाबाद में ही 'फैबेक्सा - फैब्रिक सोर्सिंग एक्सपो' का भव्य आयोजन प्रस्तावित है। फैबेक्सा के आयोजक इस बार जबरदस्त उत्साह के साथ इसमें भाग लेने वाले है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आगामी 21-24 मई, 2024 को गांधीनगर स्थित हेलीपेड ग्राउण्ड में 2 लाख स्क्वायर फीट से अधिक क्षेत्र में 150 से अधिक प्रदर्शक भाग लेने वाले है। इस संदर्भ में मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन के यशस्वी प्रेसीडेण्ट श्री गौरांग भगत ने चर्चा के दौरान बताया कि फैबेक्सा एग्जीबिशन के अहमदाबाद में आयोजन को लेकर खासा उत्साह है। फैबेक्सा द्वारा पूर्व में 4 एग्जीबिशन अहमदाबाद में, 2 एग्जीबिशन CMAI के साथ मुम्बई तथा एक एग्जीबिशन दिल्ली में आयोजित की जा चुकी है। अब ये फैबेक्सा का 8वाँ संस्करण है जो स्थानीय गारमेण्ट फैब्रिक निर्माताओं की इच्छानुसार अहमदाबाद में ही इसका आयोजन किया जा रहा है।

श्री गौरांग भगत

श्री भगत ने कहा कि अहमदाबाद कॉटन फैब्रिक उत्पादन में सालों से मेनचेस्टर बना हुआ है। मेन्स, वूमेन्स एवं किड्स वियर सभी के लिए यहां के टेक्सटाइल उद्यमी कॉटन सूटिंग-शर्टिंग, निटेड, होजियरी, डेनिम एवं ड्रेस मटीरियल जैसी वैरायटीज के उत्पादन में अपना लोहा मनवा चुके हैं। यहां के युवा उद्यमियों के जोश, जुनून एवं क्रिएशन का ही कमाल है कि आज देश के हर गारमेण्ट मैन्युफेक्चरर के लिए अहमदाबाद फैब्रिक्स सोर्सिंग हब बन चुका है। सालों से अहमदाबाद टेक्सटाइल इण्डस्ट्री की प्रगति में एक साधक के रूप में यहां के युवा उद्यमियों ने नियमित नवाचारों से देश के गारमेण्ट मैन्युफेक्चरर्स का दिल जीता है। श्री भगत ने कहा कि देश के हर गारमेण्टर के लिए फैबेक्सा एग्जीबिशन एक उत्कृष्ट प्लेटफॉर्म रही है। जहां पर उनके लिए आने वाले सीजन के लिए नवीनतम फैब्रिक इनोवेशंस प्रस्तुत किये जाते रहे हैं। अबकी बार भी स्थानीय उद्यमी बहुत अच्छी तैयारी के साथ 'फैबेक्सा' एग्जीबिशन में भाग लेने जा रहे हैं, जिसका फायदा देश की गारमेण्ट इण्डस्ट्री को जरूर उठाना चाहिए।

फैबेक्सा के अहमदाबाद में आयोजन को लेकर सभी में जबरदस्त उत्साह

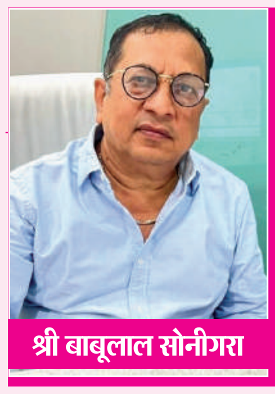

श्री बाबूलाल सोनीगरा

मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन के कोषाध्यक्ष एवं भावना प्रोसेसर्स प्रा.लि. के डायरेक्टर श्री बाबूलाल सोनीगरा ने बताया कि इस बार यहां के उद्यमियों की मंशा थी कि फैबेक्सा का आयोजन अहमदाबाद में ही हो। जिसके चलते मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन की मैनेजिंग कमेटी एवं फैबेक्सा कमेटी ने मिलकर इस एग्जीबिशन को अहमदाबाद में ही करने का निर्णय लिया। 21-24 मई को आयोजित होने वाली इस एग्जीबिशन का समय भी एकदम परफेक्ट है। देश के गारमेण्ट कारोबारी जून महीने से ही दशहरा, दुर्गापूजा, दीपावली, ओणम जैसे त्यौहरों की तैयारी में जुट जाते है, ऐसे में 'फैबेक्सा' की तरफ से आयोजित होने जा रही यह प्रदर्शनी एग्जीबिटर्स के लिए नये डवलपमेण्ट्स पेश करने का माध्यम बनेगी, वहीं गारमेण्टर्स के लिए फैब्रिक एवं एसेसरीज सोर्सिंग का श्रेष्ठ विकल्प साबित होगी।

आगामी सीजंस की एडवांस तैयारी के लिए फैबेक्सा श्रेष्ठ विकल्प

श्री अमीष शाह

''देश के गारमेंट मैन्युफेक्चरर्स के लिए फैबेक्सा फेयर कमेटी इस बार अहमदाबाद में गारमेंट वैल्यू चैन की कम्पलीट प्रदर्शनी लगाने जा रही है। पहले से कहीं ज्यादा एक्जीबिटर्स के साथ इस प्रदर्शनी में गारमेंट फैब्रिक की समस्त वैरायटीज के साथ डेनिम एवं ड्रेस मटीरियल सप्लायर्स द्वारा भव्य सामुहिक डिस्प्ले किया जाएगा'' यह विचार प्रकट करते हुए फैबेक्सा फेयर कमेटी अध्यक्ष एवं शास्वत टेक्सटाइल प्रा.लि. के युवा डायरेक्टर श्री अमीष शाह ने बताया कि इस बार का फैबेक्सा फैब्रिक सोर्सिंग एक्सपो कई मायनों में खास होगा, गारमेंट सेंटर से जुड़े हर व्यापारी के लिए गारमेंट फैब्रिक एवं एसेसरीज सोर्सिंग के लिए इस विशाल एग्जीबिशन में अहमदाबाद के 150 से अधिक टॉप सप्लायर्स भाग लेने जा रहे हैं। जो आगामी सीजन्स के लिए नये-नये फैब्रिक डवलपमेण्ट पेश करेंगे, वहीं यह एग्जीबिशन रेडीमेड गारमेंट निर्माताओं के लिए सीजन की तैयारी का भी अच्छा मौका साबित होगी। एग्जीबिशन में देश की गारमेंट इंडस्ट्री के जाने-माने टॉप ब्राण्ड्स सहित एक्सपोर्टर्स, बाइंग हाउसेस, ट्रेडर्स, ब्रोकर्स, रिटेलर्स को बड़े पैमाने पर आमंत्रित किया जाएगा। वहीं आमंत्रित विजिटर्स की सुविधा के लिए एग्जीबिशन भी इस बार चार दिवसीय होगी।

150 से अधिक प्रदर्शकों के साथ मेगा डिस्प्ले की तैयारी

श्री सोनू टेकवानी

फैबेक्सा फेयर कमेटी के कॉ-चैयरमेन एवं श्री महादेव टेक्स फैब प्रा. लि. के युवा डायरेक्टर श्री सोनु टेकवानी ने बताया कि 4 वर्ष बाद फिर से फैबेक्सा एग्जीबिशन के अहमदाबाद में आयोजन का सभी सप्लायर्स ने समर्थन किया है। एग्जीबिशन में कॉटन एवं ब्लेण्डेड सूटिंग-शर्टिंग, ड्रेस मटीरियल, डेनिम, गारमेण्ट एसेसरीज जैसी समस्त प्रॉडक्ट रेंज से सम्बन्धित 150 से अधिक सप्लायर्स भाग लेने वाले है। एग्जीबिशन के लिए जो समय चुना गया है, वो एकदम परफेक्ट है। इस समय देश के गारमेण्ट उद्यमी आगामी सीजंस की तैयारी में जुट जाते हैं ऐसे में गारमेण्ट फैब्रिक निर्माताओं के लिए यह एग्जीबिशन फैब्रिक डिस्प्ले का बेहतरीन प्लेटफॉर्म साबित होगी। इस बार फेयर कमेटी ने निर्णय लिया है कि एग्जीबिशन अन्तरराष्ट्रीय स्तर की होगी, आमंत्रित व्यापारियों के लिए सुविधाओं का विशेष ख्याल रखने के साथ-साथ एग्जीबिशन में प्रदर्शकों के अपने-अपने फैब्रिक डवलपमेण्ट का आकर्षक डिस्प्ले विजिटर्स के लिए नया अनुभव होगा। एग्जीबिशन में गारमेण्ट कारोबारियों सहित बाइंग हाउसेज, एक्सपोर्टस, होलसेलर्स, ब्रोकर्स सहित पूरी रिटेल चैन को आमंत्रित किया जाएगा। एग्जीबिशन में अनुमानित 20000 से अधिक विजिटर्स शिरकत करेंगे।

रेडीमेड गारमेण्ट निर्माताओं के लिए सोर्सिंग का अच्छा मौका

श्री कुमार जैन

देश की गारमेण्ट इण्डस्ट्री के लिए हाई क्वालिटी फैब्रिक उत्पादन में निपुण कम्पनी नाकोड़ा फैशन प्रा.लि. के डायरेक्टर श्री कुमार जैन ने फैबेक्सा फेयर के अहमदाबाद में आयोजन को लेकर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मई महिने का अंतिम सप्ताह देश के रेडीमेड गारमेण्ट निर्माताओं के लिए फैब्रिक सोर्सिंग का अच्छा मौका है। सभी गारमेण्ट मण्डियों के व्यापारी मई-जून से आगामी दशहरा, दुर्गापूजा, दिवाली, ओणम आदि त्यौहारों की तैयारी में जुट जाते है। इसलिए अहमदाबाद के फैब्रिक्स उत्पादकों को अपने नवीनतम डवलपमेण्ट प्रजेंट करने का फैबेक्सा फेयर अच्छा माध्यम है। मेरा मानना है कि एक्सपोजर के लिए एक्सपो का आयोजन करना अच्छा निर्णय है, इससे मण्डी में व्यापारियों का आवागमन बढ़ेगा तथा व्यापार में ग्रोथ होगी। जिसका फायदा हर छोटे-बड़े उद्यमी को होगा। फैबेक्सा के इस बहु-आयामी प्लेटफॉर्म पर हम देश के समस्त गारमेण्ट व्यवसायियों से आग्रह करते हैं कि एग्जीबिशन में जरूर पधारें तथा अहमदाबाद के युवा उद्यमियों द्वारा किये जा रहे फैब्रिक्स इनोवेशन एवं क्रिएशन को जरूर परखें।

गारमेण्ट सेक्टर के लिए फैब्रिक सोर्सिंग का सर्वोत्तम प्लेटफॉर्म

फैबेक्सा फेयर कमेठी के सेक्रेटरी एवं पानम टेक्स फैब प्रा.लि. के युवा डायरेक्टर श्री अंकित सेठ फैबेक्सा के 8वें संस्करण के अहमदाबाद में आयोजन को लेकर काफी उत्साहित दिखे। उन्होंने कहा कि मेनचेस्टर ऑफ इण्डिया कही जाने वाली टेक्सटाइल मण्डी अहमदाबाद की छवि एक बेहतरीन गारमेण्ट फैब्रिक उत्पादक के रूप में स्थापित हो चुकी है। यहां के युवा उद्यमियों के जोश एवं नियमित क्रिएशन करने की उनकी कार्यशैली से आज अहमदाबाद हर गारमेण्टर के लिए सोर्सिंग सेण्टर बन चुका है। 118 वर्ष पुराने मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन की प्रबुद्ध एवं अनुभवी मैनेजिंग कमेटी एवं फैबेक्सा फेयर कमेटी के जुझारू युवा उद्यमियों की एकजुटता से फैबेक्सा एग्जीबिशन इस बार अलग ही लेवल पर होने जा रही है। वर्ष 2024 में आगामी सभी सीजन्स के लिए स्थानीय उद्यमी पूरी तैयारी के साथ गारमेण्ट वैल्यू चैन का अद्भूत डिस्प्ले करने जा रहे हैं, जिससे देश की गारमेण्ट इण्डस्ट्री जरूर लाभान्वित होगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मेक इन इण्डिया एवं फार्म टू फॉरेन के सपने को साकार करने के लिए हमारी फैबेक्सा की टीम संगठित भाव से आगे बढ़ रही है। इसके अलावा हमारे संगठन का मकसद मण्डी में सबका साथ-सबका विकास है। एग्जीबिशन का आयोजन भी सेवा एवं सहकार की भावना से नो लॉस-नॉ प्रोफिट की अवधारणा पर किया जाता है। एग्जीबिशन में ट्रेड विजिटर्स की बात की जाये, तो इस बार बड़े पैमाने पर गारमेण्ट सेक्टर से जुड़े हर व्यापारी को इसमें आमंत्रित किये जाने की योजना पर हमारी टीम काम कर रही है। एग्जीबिशन में देश-विदेश से 15-20 हजार ट्रेड विजिटर्स के शिरकत करने की संभावना है।

श्री अंकित सेठ

बाजार में कैंसलेशन और तीव्र आर्थिक संकट

ग्राहकी नहीं होने से सूती ग्रे कपड़ों के भाव बढ़ने की संभावना नहीं

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

कपड़ा बाजार में पिछले डेढ़-दो माह से कारोबार नगण्य-सा हो गया है। एमएसएमई को निर्धारित अवधि में भुगतान करने के नये नियमों के कारण उलझन बढ़ गई थी, इसका व्यापक असर देशभर में कपड़ा कारोबार पर पड़ा है। अब जब इस बात की संभावना क्षीण हो चुकी है, तो उक्त नियम में कोई बदलाव जल्द नहीं हो सकता है और प्रस्तावित नियमों के तहत ही एमएसएमई को भुगतान करना होगा, तब ऐसे समय में कपड़ों की नई खरीदी में कोई उत्साह नहीं है। व्यापारियों का ध्यान मार्च एण्डिंग होने के कारण अभी स्वयं की खाताबही को दुरूस्त करने और पुराने स्टॉक को कम करने पर है। कैसलेशन और तीव्र आर्थिक संकट है। कॉटन यार्न मजबूत है, फिर भी ग्राहकी नहीं होने से सूती ग्रे कपड़ों के भाव नहीं बढ़ सकते हैं। निर्यात कारोबार अच्छा है, तथापि आशंका है कि आगे चलकर इसमें मंदी आ सकती है। कपड़ों का आयात पहले की ही तरह हो रहा है। रमजान का महीना शुरू हो गया है, इसलिए रमजान की ग्राहकी आयातित कपड़ों में अच्छी रहने की उम्मीद है। समर सीजन शुरू होने से सर्वाधिक बिकने वाले कपड़ों में तकरीबन सभी किस्मों में अप्रैल महीनें से अच्छी ग्राहकी निकलने का इंतजार व्यापारियों को है। सबसे बड़ी समस्या मार्च अंत तक पुराने डिस्पेच माल का भुगतान नहीं कर सकने वाले देसावरी व्यापारियों से माल रिटर्न की है।

भुगतान नहीं कर पाने के कारण माल के कैसलेशन और वापसी की समस्या सभी केंद्रो पर एक समान है। उल्लेखनीय है कि जो माल वापस आ रहा है, वह विंटर सीजन का है और अब इसे लंबे समय तक संभालने की समस्या उत्पन्न होगी। कारण कि समर सीजन शुरू हो जाने से विंटर सीजन के मालों को कोई पूँछने वाला नहीं होगा। माल वापसी की स्थिति में देसावरी मंडियों की पाइपलाइन खाली हो जाने से आगे देसावरों की कपड़ों की मांग अच्छी रह सकती है, परंतु यह ग्राहकी अब भुगतान के नये नियमों के अमल में आने के बाद छोटे-छोटे लाट में किए जाने की संभावना है, इसलिए रिटेलर्स थोक में खरीदी करने से बचना चाहेगा।

कपड़ा बाजार में इधर कुछ महीनों से कारोबार अच्छा नहीं हो रहा है। इसका सीधा असर यार्न के उत्पादन और उसकी बिक्री से लेकर ग्रे कपड़ों के उत्पादन और मिलों एवं प्रोसेस हाउसों के प्रोग्रामों पर दिखाई दे रहा है। फिनिश कपड़ों के कारोबार बुरी तरह से लड़खड़ा गए है। इतना ही नहीं कच्चे माल रूई की मांग पर भी इसका प्रभाव दिखाई दिया है। भिवंडी में कपड़ों का उत्पादन इतना नीचे गया है कि अचानक कपड़ों की मांग में भारी वृद्धि हो जाए तो मांग एवं आपूर्ति की गंभीर समस्या खड़ी हो सकती है। चूंकि रमजान का महीना शुरू हो गया है, इसलिए लूमों पर मुस्लिम कारीगरों की भारी कमी के कारण लूमों पर उत्पादन बहुत कम हो गया है।

समर सीजन के शुरू होने से सर्वाधिक मांग के कैम्ब्रिक, मलमल, लोन, रेयॉन, लाइट कॉटन, साटीन और लाइट पोपलीन का भरपूर स्टॉक थोक व्यापारियों ने किया है। रमजान के शुरू होने पर भी थोक में ग्राहकी नहीं है, लेकिन खुदरा बाजारों में सफेद कपड़ा, कुर्ता एवं पायजामा, ब्राइट चमकीलें कपड़ों के साथ प्रिंटेड कपड़ों में थोड़ी बहुत ग्राहकी है। आयातित कपड़ों में रमजान की मांग अच्छी है। दिल्ली में हुए फेयर में कपडों की बुकिंग अच्छी मिलने की रिपोर्ट है। लिनन बेस कपड़ों की मांग सबसे अधिक रही है। रेडीमेड की बुकिंग अच्छी होने से रेडीमेड कपड़ों की मांग बढ़ने का अनुमान है, परंतु इसका फायदा अन्य केंद्रो को है।

अप्रैल-मई में देशभर में लोकसभा चुनाव होने जा रहे हैं। ऐसे में आचार संहिता लागू हो जाने से पुलिस बंदोबस्त कड़ा हो जाता है, उस दौरान नकदी का हेर-फेर कठिन हो जाता है। चुनाव के समय कपड़ों में कारोबार कम होता है। तथापि समर सीजन के साथ स्कूल यूनिफॉर्म में कारोबार होता रहेगा। यद्यपि इस बार विवाह के मुहूर्त कम है। अप्रैल-मई में तो बहुत ही कम है, जबकि शादियां अधिक है। इसलिए इस सीजन के दौरान फैंसी कपड़ा सहित समर एवं स्कूल यूनिफॉर्म में कारोबार बढ़ सकता है। स्कूल यूनिफॉर्म में दबदबा रखने वाली कुछ नामचीन मिलों के साथ निजी क्षेत्र की इकाइयों की ओर से भी तैयारियां मजबूत की गई है।

निर्यात मोर्चे पर कोई बड़ी उपलब्धि नहीं है, जबकि संभावनाएं अधिक है। इसलिए जानकारों का कहना है कि देश की विकास दर में निश्चित लक्ष्य हासिल करना है तो उत्पादन के क्षेत्र में विशेषकर कपड़ों के उत्पादन के मामले में ऐसी व्यवस्था बनानी होगी कि उत्पादन प्रणाली में किसी तरह की खामियां नहीं हो और माल की गुणवत्ता उत्तम हो, ताकि इसके परिणाम उज्ज्वल हो। इसके लिए मैन्युफेक्चरिंग में लीन मैन्युफेक्चरिंग पद्धति दाखिल करने की जरूरत है। ऐसा करने पर कपड़ा उद्योग में वित्त निवेश और शक्ति दोनों का बचाव हो सकता है। कपड़ा उद्योग देश में रोजगार सृजन के साथ अर्थव्यवस्था को बुस्ट करने वाला क्षेत्र रहा है।

कपड़ा उद्योग को बड़े पैमाने पर वेस्टेज का सामना करना पड़ता है। वीविंग तथा प्रोसेसिंग इकाइयों में इस तरह की पद्धति अपनानी चाहिए, जिससे सौ प्रतिशत परिणाम हासिल हो। राज्य सरकारों को टेक्सटाइल क्षेत्र में अधिक से अधिक निवेश को आकर्षित करने और कपड़ों का उत्पादन गुणवत्तापरक करने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। कपड़ा उद्योग कई संकटो से घिरा है। बिजली का संकट जिसमें बिजली की दर अधिक होना, प्रोसेसिंग इकाइयों के लिए पानी की समस्या अथवा ट्रिटमेंट प्लांट के अभाव में गंदे पानी के निस्तारण की समस्या जैसे कई ऐसे पहलू है जिनकी अनदेखी के बदले उचित समाधान खोजना है।

रूई के भाव 10 से 12 प्रतिशत तक बढ़े : स्पिनिंग मिलों की चिंताएँ बढ़ी

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

पिछले एक पखवाड़े में रूई के भाव 10 से 12 प्रतिशत तक बढ़े हैं। संकर 6 रूई का भाव जो पहले प्रति खंडी 55300 रू. चल रहा था, बढ़कर 62000 रू. हो गया है। पिछले दो माह से कपास एवं रूई की बिक्री समर्थन मूल्य के करीब हो रही थी। जहां भाव समर्थन मूल्य से नीचे चला जाता था, तत्काल सरकारी एजेंसी बाजार में कूदकर भाव को सपोर्ट देना शुरू कर देते थें। परंतु जैसे ही न्यूयॉर्क बाजार में व्यापक तेजी आई उसके बाद देश में रूई के भाव बढ़े और किसानों को उनकी उपज का अच्छी कीमत मिलनी शुरू हो गई। यद्यपि कपास के भाव बढ़ने से जिनिंग इकाइयों पर रूई गढ़ान बनाने का काम धीमा और बढ़े भाव के कारण जिनिंग की उत्पादन क्षमता घट सकती हैं। वैश्विक स्तर पर रूई की आपूर्ति में कमी के कारण हाल तेजी है। इसलिए होली से पूर्व देश के बाजारों में कपास की आवक अचानक बढ़ गई है। जो किसान अभी तक माल पकड़कर बैठे थे, उनको अच्छा भाव मिलना शुरू होने से बाजारों में आवक बढ़ी है। कपास की तेजी के बाद रूई के भाव पिछले एक सप्ताह में 61500 से 62000 रू. प्रति खंडी पहुंच गया है। बाजार सूत्रों का कहना है कि देश में अब तक 235 लाख गांठ की आवक हो चुकी है। इसमें से 145 लाख गांठ उपयोग में लाए जाने का अंदाजा है। 18 लाख गांठ का निर्यात किए जाने का अनुमान है। बाजार की धारणा है कि मार्च के मध्य तक 37 लाख गांठ का स्टॉक स्पिनरों के पास होगा और सीसीआई के पास 32 लाख गांठ होगा।

बहुराष्ट्रीय कंपनियों एवं ट्रेंडरों के पास करीब 32.50 लाख गांठ का स्टॉक होने का अंदाज है। जिनिंग इकाइयों में क्षमता उपयोग 70-75 प्रतिशत से बढ़कर 80 प्रतिशत के करीब होने का अनुमान है। इतना ही नहीं 20 लाख गांठ का निर्यात करने को सुसज्ज है। परंतु निर्यात माँग घटने की संभावना से रूई के भाव इंटरनेशनल भाव के समकक्ष आ रहे हैं। वैश्विक स्तर पर आस्ट्रेलिया, ब्राजील और अन्य देशों में रूई उत्पादन बढ़ने के अनुमान से जुलाई के बाद रूई की उपलब्धि अधिक रहने की धारणा है। वायदा कारोबार में विपरीत प्रवाह का संकेत है। इन सभी कारणों से आगे चलकर देश में रूई के भाव अधिक बढ़ने के बदले घटने की अथवा मौजूदा भाव के समकक्ष स्थिर रहने का अनुमान है। लंबे रेशे की रूई के आयात को पूरी तरह शुल्क मुक्त करने की घोषणा भी सरकार ने की है। आयात शुल्क मुक्त हो जाने से इस प्रकार की रूई की स्पिनिंग मिलों की जरूरतें सहजता से पूरी होगी। इंडियन कॉटन फेडरेशन का कहना है कि रूई के भाव में हाल की वृद्धि बाजार में टिकती है कि नहीं एक बड़ा सवाल है। रूई की स्थानीय मांग अच्छी है। स्पिनिंग मिलों के साथ निर्यातकों की सतत् लेवाली से भाव बढ़े हैं। टेक्सटाइल उद्योग में घरेलू और निर्यात बाजारों में चुनौतियां तथा प्रतिस्पर्धा तगड़ी है। टेक्सटाइल उद्योग में सुधार तेजी से नहीं हो रहा है। कॉटन यार्न का निर्यात तेजी से नहीं बढ़ रहा है। इसलिए यार्न बनाने वाली मिलों को रूई की ऊँची कीमतें नहीं बैठ पाएगी।